माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए
(ए.एल.एम. - मॉडल 2)

लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैण्डबुक

Learning Outcoms Based Teachers' Handbook

संस्कृत

कक्षा 6 से 8

SANSKRIT

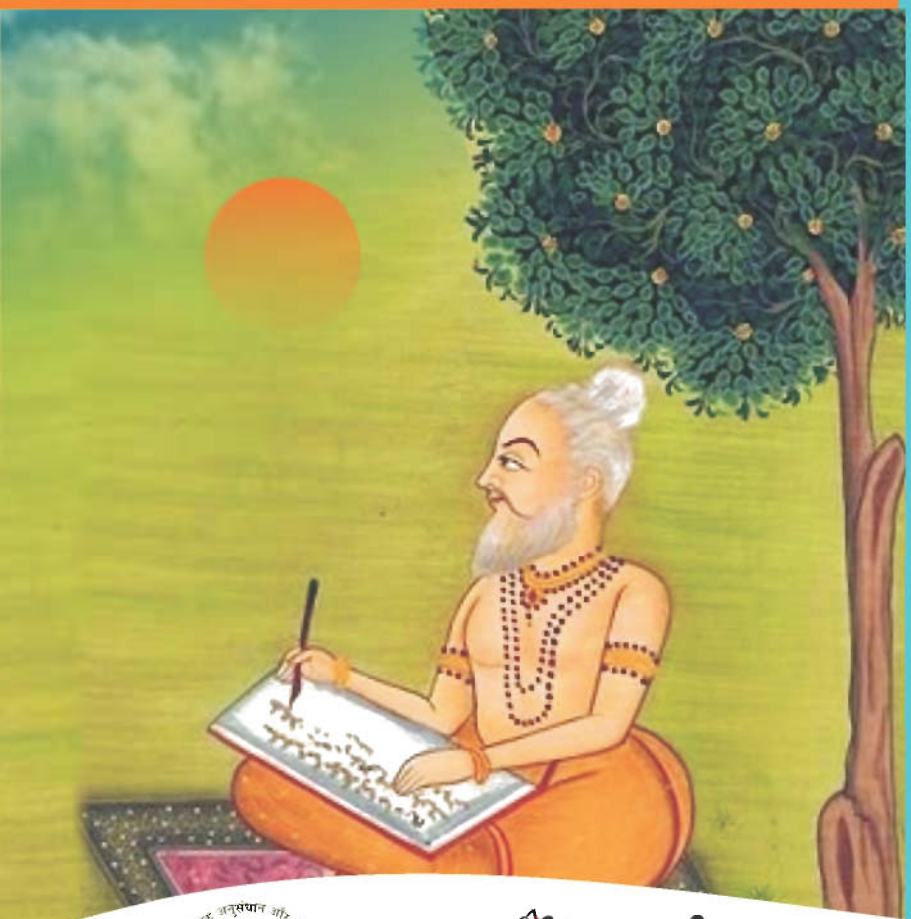

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

चाँद हैं, आफताब हैं बच्चे।
रोशनी की किताब हैं बच्चे।
अपने स्कूल जब ये जाते हैं,
ऐसा लगता गुलाब हैं बच्चे।
व्यास, सतलज सरीखे दरिया हैं,
रावी, झेलम, चिनाव हैं बच्चे।
अपनी मस्ती की राजधानी में,
अपने मन के नवाब हैं बच्चे।
जब कभी भी ये खिलखिलाते हैं,
ऐसा लगता रवाब हैं बच्चे।
जिनको संस्कार शुभ मिले हैं वे,
हर जगह कामयाब हैं बच्चे।
क्या फरिश्ते किसी ने देखे है?
कितना अच्छा जवाब हैं बच्चे।

–अजहर हाशमी

शिक्षकों के लिए

- मुझे शिक्षक होने पर गर्व है। शिक्षण को मैं एक आदर्श व्यवसाय मानता/मानती हूँ।
- शिक्षण से जुड़े होने के कारण मैं उसी कार्य को करूँगा/करूँगी जो इस व्यवसाय को आदर्श स्वरूप दे सकें।
- मैं सजग रहूँगा/रहूँगी कि मेरे प्रत्येक कार्य, व्यवहार को मेरे विद्यार्थी आलोचनात्मक दृष्टि से देखेंगे। उनकी समझ मैं सदैव आदर्श स्थापित करूँगा/करूँगी।
- विद्यार्थियों की सहायता तथा मार्गदर्शन देने में मेरी भूमिका एक मित्र, एक दार्शनिक तथा एक निर्देशक के रूप में रहेगी।
- मैं अपने विद्यार्थियों को पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।
- यदि किसी कारण मैं कक्षा में नही जा पर रहा/रही हूँ तो विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय देकर क्षतिपूर्ति करूँगा/करूँगी।
- मैं अपने व्याख्यान पूर्ण सावधानी के साथ तैयार करूँगा/करूँगी ताकि विषय सामग्री विद्यार्थियों को स्पष्ट हो सके।
- मैं शिक्षण में नवाचार का प्रयोग करूँगा/करूँगी ताकि विषय सामग्री विद्यार्थियों को स्पष्ट हो सके।
- मैं केवल पाठ्यक्रम को ही पूर्ण नहीं करूँगा/करूँगी, बल्कि नवीन जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाना भी मेरा कर्तव्य होगा।

यह मेरा स्वभाव है कि जब मैं कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता हूँ तो मैं अपनी सारी शक्ति से कर्त्तव्य पालन में निमग्न हो जाता हूँ और अपने उत्तरदायित्व से कभी अलग नहीं हटता। एक बार सौभाग्य से मैं शिक्षक बन गया मैंने अपना कार्य पूरी लगन से किया और यह कार्य करने में मैंने जो आनंद पाया उसने मुझे गुरु से गुरुदेव तक पहुँचा दिया

रवीन्द्र नाथ टैगोर

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए

लर्निंग आउटकम्स आधारित टीचर हैण्डबुक

Learning Outcomes Based

Teachers' Handbook

संस्कृत

कक्षा– 6 से 8

ए.एल.एम.- मॉड्यल 2

(45 मिनिट कालखण्ड के अनुसार)

2017–18

म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़े सब बढ़े

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

शिक्षकों के लिए ...

शिक्षक साथियों आपके द्वारा विद्यार्थियों की दक्षता विकास के सतत् प्रयास किए जा रहे हैं तथापि यह अनुभव किया गया है कि आपके पास एक ऐंसा टूल्स हो जिससे आप विद्यार्थियों की दक्षता की परख कर सकें। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आपके उपयोगार्थ एक ऐंसी पुस्तिका तैयार की गई है, जिसके माध्यम से कक्षा कक्ष में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं को एक स्थान पर समेकित किया गया है। जिसमें आप यह जान सकेंगे कि आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा है।

आप सभी मित्रों की सहायता के लिए राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा एक 'लर्निंग आऊटकम्स आधारित टीचर हेंड बुक सह प्रशिक्षण पुस्तिका' तैयार की है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से 8 तक (प्रांरभिक शिक्षा) के लिए विषयवार तैयार की जाकर समेकित रूप से प्रदाय की जा रही है। लर्निंग आऊटकम्स आधारित टीचर हेंड बुक में प्रमुख रूप से अवधारणा क्षेत्र, पेडॉगाजिकल प्रकिया/ गतिविधियाँ, आवश्यक शिक्षण सहायक सामग्री, सीखने के संकेतक, मूल्यांकन हेतु प्रश्न, आओ करके सीखे, अवधारणा के शिक्षण में लगने वाला समय एवं सीखने की सम्प्राप्तियाँ को शामिल किया गया है।

विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए आयाम जिनमें सीखने-सिखाने और उसके आकलन करने से संबंधित शिक्षण की कार्य योजना बनाना, सीखने का वातावरण निर्मित करना, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया, कक्षा प्रबंधन, बच्चों को रोटेशन में बैठाना, सहायक शिक्षण सामग्री का उपयोग करना। कक्षा में, घर में/घर पर एवं खेल-खेल में सीखना, बच्चों की क्षमता का आकलन करना शामिल है।

सामग्री में दिव्यांग बच्चों को सीखने के समान अवसर उपलब्ध कराना, शाला में दिव्यांग बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति कराना भी शामिल है। टीचर हेंड बुक में डी एवं ई ग्रेड प्राप्त करने वाले बच्चों को ध्यान में रखकर योजना बनाना शामिल है। इस पुस्तिका के उपयोग से शिक्षक विद्यार्थियों की विषयगत समस्याओं का निदान कर सकेंगे। साथ ही विद्यार्थियों को स्वयं प्रश्न करने, उनका समाधान खोजने तथा निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए प्रेरित कर सकेंगे।

इस पुस्तिका के निर्माण में प्रदेश के विभिन्न संस्थानों व विद्यालयों में कार्यरत अनुभवी विषय विशेषज्ञों, शिक्षकों व राज्य शिक्षा केन्द्र के अकादमिक समूह के सदस्यों ने अथक प्रयास किया है, फिर भी यह सामग्री तब तक पूर्ण नही मानी जा सकेगी जब तक उसका उपयोगकर्ता द्वारा उपयोग कर अपेक्षित परिणाम प्राप्त न हो जाएँ। अतः इस पुस्तिका के उपयोग पश्चात आप सभी के सकारात्मक सुझावों की प्रतीक्षा होगी।

- राज्य शिक्षा केन्द्र

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृष्ठ
1.	शिक्षक के परिचय हेतु स्थान	2
2.	समय-सारणी	3
3.	सीखने के मुख्य घटकों का परिचय	4
4.	शिक्षण प्रक्रिया के प्रमुख आयाम एवं गतिविधियाँ	7
5.	कक्षा-6 के लिए-	
	• सीखने का मेट्रिक्स	9
	• सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	48
6.	स्व मूल्यांकन	49
7.	कक्षा-7 के लिए-	
	• सीखने का मेट्रिक्स	60
	• सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	84
8.	स्व मूल्यांकन	85
9.	कक्षा-8 के लिए-	
	• सीखने का मेट्रिक्स	96
	• सीखने की संप्राप्तियाँ (Learning Outcomes)	120
10.	स्व मूल्यांकन	121
11.	कक्षा अवलोकन हेतु मानिटरिंग प्रपत्र (Non ALM आधारित)	132

(1)

शिक्षक/शिक्षिका की सामान्य जानकारी

नाम :

पद तथा कार्यरत संस्था का नाम :

शाला का डाईस कोड :

कक्षा जिसमें अध्यापन करते है :

विषय जिसमें अध्यापन करते है :

शिक्षक का यूनिक आई डी :

मोबाईल नं. :

विशेष कार्यानुभव/कार्यक्षमता :

:

योग्यता/विशिष्ट योग्यता

(2)

सुझावात्मक समय-सारणी

समय / कक्षा	10:30 से 10:45	10:45 से 11:30	11:30 से 12:15	12:15 से 12:20	12:20 से 1:05	1:05 से 1:50	1:50 से 2:20	2:20 से 2:45	2:45 से 3:00	3:00 से 3:45	3:45 से 4:30	4:30 से 4:40
VI	प्रार्थना सभा	हिन्दी	विज्ञान	लघु अवकाश	गणित	सामाजिक विज्ञान	मध्याह्न भोजन	•खेल-कूद •पुस्तकालय •सृजनात्मक कार्य •जैसे – खिलौने बनाना, मिट्टी का कार्य, चित्रकारी, हस्तशिल्प, स्क्रेप बुक बनाना आदि •जीवन कौशल शिक्षा •परिसंवाद	मीना की दुनिया (आकाश-वाणी से प्रसारित कार्यक्रम)	अंग्रेजी	संस्कृत	प्रार्थना
VII		विज्ञान	सामाजिक विज्ञान		हिन्दी	गणित				संस्कृत	अंग्रेजी	
VIII		गणित	संस्कृत		विज्ञान	अंग्रेजी				हिन्दी	सामाजिक विज्ञान	

नोटः- 1. शनिवार को सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत बाल सभा का आयोजन किया जाएगा
2. विद्यालय में पदस्थ शिक्षकों को संख्या अनुसार समय चक्र में परिवर्तन किया जा सकता है।
3. बच्चों की बैठक व्यवस्था- i. ब्लैक बोर्ड के सम्मुख बैठने की व्यवस्था रखी जाए।
ii. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के बैठने के लिए सुविधाजनक स्थान दिया जाए।
iii. बैठक व्यवस्था रोटेशन पद्धति से की जाए।

(3)

सीखने के मुख्य घटकों का परिचय

1. अवधारणा क्षेत्र

किसी भी कक्षा स्तर से संबंधित समस्त पाठ्य वस्तु को मुख्य रूप से कुछ चिह्नित क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है इन चिह्नित क्षेत्रों को ही अवधारणा क्षेत्र कहते हैं। शिक्षकों के लिए यह आवश्यक होता है कि प्रत्येक अवधारणा क्षेत्र से संबंधित विषय वस्तु को ध्यान में रखते हुए शिक्षण का कार्य करें व मूल्यांकन/आकलन के दौरान सभी अवधारणा क्षेत्रों पर एक समान अधिभार दें, जिससे बच्चों के उस कक्षा स्तर से संबंधित समस्त अवधारणा क्षेत्रों में दक्ष हो सकें।

2. पेडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना

विषय से संबंधित किसी भी अवधारणा को विकसित करने से पूर्व उस अवधारणा से संबंधित विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान पर आधारित चर्चा करते हुए अवधारणा विकसित करने के लिए कहानी, कविता, पहेली, समाचार पत्र वाचन, प्रयोग प्रदर्शन आदि के माध्यम से प्रस्तावना प्रस्तुत की जाती है। किसी भी अवधारणा को स्पष्ट करने के लिए कक्षा कक्ष में विभिन्न प्रकार के तरीकों से अवधारणा को विकसित करने के अवसर दिए जाने के लिए सुझावात्मक रूप से पेडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ के अन्तर्गत दिया गया है।

3. सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)

कक्षा कक्ष संचालन के दौरान शिक्षक द्वारा पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त जो-जो सामग्री उपयोग की जाती है सहायक शिक्षण सामग्री कहलाती है। इसमें यह आवश्यक होता है कि निर्धारित विषय वस्तु को विकसित करने में उस सहायक शिक्षण सामग्री का योगदान हो।

4. सीखने के संकेतक (Learning Indicator)

सीखने के संकेतक मुख्य रूप से शिक्षक को प्रत्येक विद्यार्थी के बारे में यह सोचने के अवसर देते है कि उसने सत्र के दौरान क्या सीखा और किस क्षेत्र में उसको और सीखने की आवश्यकता है। अर्थात जरूरत है इनको चिह्नित करने के लिए शिक्षक को प्रत्येक विद्यार्थी के बारे में जानना होता है तथा शिक्षक द्वारा की जाने वाली प्रत्येक गतिविधि में यह देखा जाता है कि विद्यार्थी ने किसी अवधारणा से संबंधित किन-किन

बिन्दुओं को जान लिया है और किनकी जरूरत है। दैनिक कक्षागत गतिविधियों/शिक्षण के दौरान उस पर अधिक ध्यान देना होगा। इसके लिए विशिष्ट परीक्षाओं की आवश्यकता नहीं होती है स्वयं सीखने वाली गतिविधियाँ बच्चों में निरंतर चलने वाले अवलोनात्मक एवं गुणात्मक आंकलन का आधार बनती है। अवलोकन के आधार पर रोज की दैनंदिनी रखने से निरंतर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) में मदद मिलती है। इस कारण सीखने के संकेतक को इसका हिस्सा बनाया गया है।

5. मूल्यांकन हेतु गतिविधियाँ एवं प्रश्न

मूल्यांकन के अंतर्गत जब तक बच्चों के पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान को याद करने की क्षमताओं का परीक्षण किया जाता रहेगा। तब तक इसमें यह जानना जरूरी है कि बच्चों ने क्या सीखा है और उस ज्ञान को समस्या सुलझाने और व्यवहार में लाने की उनकी क्षमता को जाँच पाए साथ ही विद्यार्थियों की सोचने की प्रक्रिया कैसी हो यह पता लगा पाए की विद्यार्थी ने क्या सीखा है। आकलन/मूल्यांकन के लिए जो प्रश्न निर्धारित किए जाते हैं उन्हें किताब में दी गई जानकारी से आगे बढ़ाने की जरूरत है। ऐसे प्रश्नों को भी शामिल करना चाहिए जिसका कोई एक उत्तर नहीं होता है और जो बच्चों के सामने चुनौती पेश करते है। अच्छे प्रश्न और परीक्षा पत्र बनाना भी एक कला है और शिक्षकों को ऐसे प्रश्न बनाने पर बल देने की जरूरत है।

6. आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)

घर वह स्थल होता है जहाँ किसी भी बच्चे को ऐसी परिस्थितियाँ मिलती हैं जिसमें वह कुछ न कुछ सीखता है। दैनिक जीवन की स्थितियों से जुड़ी गतिविधियाँ विद्यार्थियों की रूचि को बांधे रखने का सार्थक माध्यम बन जाती है। उदाहरण के लिए वर्षा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग ढंग से होती है उसकी विविधता के आँकड़े उपलब्ध होते हैं जिसको गणित में कई रोचक गतिविधियों को बढ़ावा देने में उपयोग में लाया जा सकता है। इसी प्रकार विज्ञान में इन पर आधारित अनेकों प्रयोग करवाए जा सकते हैं इन्हीं कारण से घर में व खेल-खेल में, आओ करके सीखें के अन्तर्गत सीखने के अवसर दिए गये हैं।

7. सीखने की संप्राप्ति (Learning Outcomes)

विभिन्न प्रकार के शैक्षिक सर्वे व उपलब्ध डाटा यह बताते हैं कि बच्चों में स्कूल स्तरीय विषयों में सीखने का उपलब्धि स्तर निर्धारित स्तर के अनुरूप नहीं है। इसमें जिस तरह के प्रयास होते रहे है इसमें शिक्षक अपना पाठ्यपुस्तक के आधार पर पाठ्यक्रम पूरा करा देते हैं परन्तु यह बात स्पष्ट नहीं हो पाती कि बच्चों को संबंधित विषय वस्तु में

किस प्रकार के अवसर देने की जरूरत है अर्थात् पूरे वर्ष के अंत में बच्चों को किस प्रकार की क्या-क्या विषय वस्तु आना चाहिए। यह शैक्षिक अपेक्षाओं के रूप में परिभाषित किया गया है। शैक्षिक अपेक्षाओं व पाठ्यक्रम से सभी शैक्षिक व्यवस्थागत हितग्राहियों यथा पालक, शाला विकास समिति के सदस्यों, समुदाय के लोगों, शिक्षक एवं बच्चे आदि कि समझ हेतु सीखने की संप्राप्ति को निर्धारित किया गया है। यह सीखने की संप्राप्ति आकलन के मानक या आकलन के बेंचमार्क के रूप में निर्धारित स्तर के लिए चिह्नित किये गए है। सीखना-सिखाना सतत् रूप से होने वाली प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया के पेडागॉजिकल प्रक्रिया में ही सीखने की संप्राप्ति को देखा जाता है। पाठ्यचर्या संबंधी अपेक्षाओं को पूरे देश के बच्चों को ध्यान में रखकर सीखने की संप्राप्ति को स्वीकार किया गया है।

8. कक्षा प्रबंधन

शिक्षक साथी कक्षा में जाकर पाठ्यक्रम को निर्धारित समय में पूरा करने के उद्देश्य से सीधे पढ़ाना प्रारंभ कर देते है परन्तु उनसे यह अपेक्षा है कि :-

- कक्षा में प्रवेश करते ही कक्षा का माहौल आनंददायी बनाया जाए।
- बच्चों को कहानी, कविता, पहेली, एकांकी, समाचार पत्र, प्रयोग, प्रदर्शन, पैटर्न आदि माध्यम से बच्चों को कक्षा कक्ष में मानसिक रूप से सक्रिय करने का कार्य किया जाए।
- विषय वस्तु से संबंधित पाठ की एक दिन पूर्व तैयारी अवश्य करें।
- विषय वस्तु से संबंधित सहायक शिक्षण सामग्री पूर्व में ही एकत्रित करने के उपरांत कक्षा कक्ष में प्रवेश करें।
- कक्षा में ऐसे स्थान पर खड़े हों की सभी बच्चे आपकी नजरों के आस-पास हों।
- सभी बच्चों पर एक समान ध्यान दें।
- बच्चों के बैठने का स्थान साप्ताहिक रूप से परिवर्तित करते रहें।
- प्रत्येक बच्चे की व्यक्तिगत शैक्षिक समस्याओं को जानने का प्रयास करें एवं उन्हें दूर करने के उपयुक्त उपाय करें।

(4)

शिक्षण प्रक्रिया के प्रमुख आयाम एवं गतिविधियाँ

आयाम	सुझावात्मक गतिविधियाँ	समय
आरंभिक गतिविधियाँ बड़े समूह में (शिक्षक द्वारा)	• इसके अंतर्गत समाचार पत्र की कटिंग, किसी घटना का वर्णन, कोई मॉडल या चित्र प्रस्तुत करते हुए उस पर चर्चा, प्रश्न पूछकर, कोई कविता, कहानी प्रस्तुत कर विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया जा सकता है। • टीचर हैंडबुक में दी गई गतिविधियों का भी शिक्षकों द्वारा आरंभिक गतिविधियाँ में उपयोग किया जा सकता है। • आरंभिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों की उत्सुकता को बढ़ाने वाली तथा विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को क्रियाशील करने वाली होती हैं। • जिसमें गतिविधि को एक समस्या या घटना के रूप में प्रस्तुत किया जाता है ताकि विद्यार्थी और अधिक जानने का प्रयास कर सके।	5 मिनिट
सीखने के लिए वातावरण का निर्माण करना (छोटे समूह में)	• सभी विद्यार्थियों के साथ सहज संवाद/बातचीत करें, जिससे विद्यार्थी शिक्षक के निर्देश/संकेतों का अनुपालन करते हुए सीखने की गतिविधियों में संलग्न हो सकें। • यदि आवश्यक हो तो विद्यार्थियों के माध्यम से कोई गतिविधि करवाकर सीखने का प्रभावी वातावरण निर्माण किया जाए जिससे बच्चे भयमुक्त होकर आनन्दायी वातावरण में सीखने हेतु अपनी सहभागिता कर सके। • शिक्षण को बाल केन्द्रित ढ़ंग से संचालित करने के लिये यह उचित होगा कि विद्यार्थियों को छोटे समूहों में बैठकर सीखने का अवसर दिया जाए। • विद्यार्थी छोटे समूहों में बैठकर स्वयं करके सीखने की ओर अग्रसर होंगे। इस हेतु सभी विद्यार्थियों की सहज और सक्रिय भागीदारी के साथ-साथ परस्पर सहयोग से कार्य करने के अवसर दिये जा सकते हैं। • शिक्षण-योजना अनुसार प्रस्तुत पाठ्यांश विद्यार्थियों को स्वयं पढ़ने, पढ़े हुये अंश का विशलेषण/संश्लेषण करने, निष्कर्ष निकालने, कठिनाइयों को समझने और उनका समाधान करने तथा अवधारणाओं को स्वयं समझने का अवसर दिया जा सकता है। • सीखने का वातावरण प्रभावी होने पर विद्यार्थी के पूर्वानुमान, अधिगम अनुभवों में संबंध बनाने तथा विद्यार्थी को सीखे जाने वाले प्रत्ययों, प्रक्रिया तथा कौशलों में मानसिक रूप से व्यस्त किया जा सकता है।	10 मिनिट

आयाम	सुझावात्मक गतिविधियाँ	समय
कक्षा शिक्षण में विद्यार्थियों की भागीदारी एवं संलग्नता व्यक्तिगत छोटे समूह में	• कक्षा शिक्षण में विद्यार्थियों की भागीदारी एवं संलग्नता सुनिश्चित करने हेतु दी गई विषय वस्तु को विद्यार्थियों द्वारा पढ़ना, नवीन एवं कठिन शब्द अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखना, कठिन शब्दों का अर्थ आपस में चर्चा कर, शब्दकोश के माध्यम से जानना आदि गतिविधियाँ उपयोगी होगी। • विद्यार्थी कठिन शब्दों का अर्थ नहीं मिलने पर शिक्षक की सहायता से जाने और अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे। • विषय वस्तु पढ़ने के उपरांत विद्यार्थी की जो समझ विकसित हुई है उस पर छोटे समूह में चर्चा कर प्रस्तुत करना आदि गतिविधियाँ उपयोगी और आवश्यक हैं। • विद्यार्थियों की भागीदारी को अधिक प्रभावी बनाने की दृष्टि से 'आओं करके सीखें' अंतर्गत दी गई गतिविधियों को भी पूर्ण कराया जा सकता है।	15 मिनिट
विषयवस्तु का सबलीकरण करना बड़े समूह में (शिक्षक द्वारा)	• विषयवस्तु के सबलीकरण हेतु शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत विचारों / सामग्री पर विस्तार से चर्चा करते हुए, विषय वस्तु के छूटे हुए अंशों, तथ्यों को प्रयोग एवं गतिविधि के माध्यम से अवधारणा को स्पष्ट किया जा सकता है। • शिक्षक आवश्यकतानुसार स्वयं के प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अवधारणा को पुष्ट कर सकते हैं। सबलीकरण हेतु विभिन्न गतिविधियों जैसे- तालिका बनाना, आलेख बनाना, प्रयोग करना, भ्रमण, रिपोर्ट तैयार कराना आदि करा सकते है।	10 मिनिट
विद्यार्थियों का आकलन (व्यक्तिगत)	• विद्यार्थियों का आकलन करने हेतु शिक्षक कक्षा शिक्षण के दौरान सीखने में संलग्न विद्यार्थियों का सतत् अवलोकन कर सकते है। • इस दौरान विद्यार्थियों से विषयवस्तु आधारित प्रश्न पूछकर, गतिविधियाँ आयोजित कर, क्विज व अन्य तरीकों का उपयोग कर सकते है। • शिक्षक "टीचर हैंडबुक" में विद्यार्थियों के आकलन/ मूल्यांकन हेतु दी गई गतिविधियों के माध्यम से भी आकलन कर सकते हैं। • शिक्षक विद्यार्थियों के आकलन के आधार पर अपनी शिक्षण योजना और शैक्षिक प्रक्रिया में सुधार ला सकते है।	5 मिनिट

(5)

कक्षा 6 के लिए

सीखने का मेट्रिक्स
(संस्कृत)

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• स्वर व व्यंजन का ज्ञान • चित्रों के माध्यम से वर्ण परिचय, • वर्ण माला का लेखन। • वर्णों का शुद्ध उच्चारण	प्रथमः पाठः शब्द परिचयः	• शिक्षक चित्र प्रदर्शन करके स्वर व व्यंजन वर्णों वाले शब्दों को उच्चरित करेंगे। यथा - अश्वः आम्रम्, कमलम् • शिक्षक छात्रों से स्वर, व्यंजन के बारे में पूछेंगे छात्र के उत्तर अनुसार शिक्षक अन्य शब्दों के द्वारा TLM की सहायता से स्वर व व्यंजन को बताएंगे। शिक्षक छात्रों को पाठ में दिए स्वर व व्यंजन का नाम दे फिर उनका उच्चारण करवाएगा कि कौन से बच्चे का क्या नाम है- • बच्चों को चिह्नित कार्ड देकर खड़ा करेंगे। बच्चे अन्य बच्चे चित्रित कार्ड को देखकर स्वर व व्यंजन शब्दों व वर्णों का उच्चारण करेंगे।	• स्वर व व्यंजन के कार्ड। • वर्णमाला चार्ट। • स्वर व व्यंजन से बने शब्दों के कार्ड। • वर्णों से बने शब्दों के चित्रयुक्त कार्ड।
• अकारान्त पुल्लिंग आकारान्त स्त्री., अकारान्त नपुं शब्दप्रयोगः • कर्ता एवं क्रिया की	द्वितीयः पाठः कर्तृक्रिया सम्बन्धः	• प्रत्यक्ष विधि द्वारा शिक्षक कर्ता व क्रिया को स्पष्ट करेंगे। एक छात्र को बुलाकर अभिनय कराके यथा-बालकः खादति। • शिक्षक प्रश्न को छात्र को कर्ता-क्रिया संबंध को बताकर कथा के माध्यम से कर्ता-क्रिया सम्बन्ध को बताएंगे यथा- एकः बालकः अस्ति तस्यं नाम उदयः	• कक्षा में उपस्थित छात्र-छात्राएँ • क्रियापदों का स्फोरक पत्र • खिलौने, दैनिकोपयोगी वस्तुएँ (एकवचन/

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
6 काल खण्ड	• छात्रों का स्वर व व्यंजन वर्ण को जानना। • शब्दों में प्रयुक्त वर्णों को पहचानना। • स्वर व व्यंजन वर्ण में भेद समझना। • चित्रों को देखकर उनके संस्कृत नाम बता पाना।	• शब्दों के वर्णों को पृथक कीजिए- जलयानम्, शशकः वर्णपूर्ति कीजिए- • .....क्रम। मयू.....। • 2-2 स्वर व व्यंजन वर्ण लिखिए। • दैनिक उपयोग की वस्तुओं के नाम संस्कृत में लिखिए।	• संस्कृत में दश पुल्लिंग नामों को लिखिए। • संस्कृत में दश स्त्रीलिंग नामों को लिखिए। • व्यंजन वर्णों से प्रारम्भ होने वाले दश प्रसिद्ध नामों को लिखिये। • पशु पक्षियों के नाम संस्कृत में बताना। • दैनिक भोजन में प्रयुक्त पदार्थों के नाम के नाम संस्कृत में खोजना। • फलों के नाम संस्कृत में बोलना व लिखना।	• स्वर व व्यंजन वर्णों का सही उच्चारण कर पा रहे हैं। • स्वर व व्यंजन में भेद कर पा रहे हैं। • स्वर व व्यंजन वर्ण को जान पा रहे हैं। • चित्रों को देखकर उनके संस्कृत नाम बता पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• अकारन्त पुल्लिंग शब्दों को जानना। • आकारान्त स्त्रीलिंग नपुंसकलिंग शब्दों को जानना।	• के क्रीडन्ति? • का धावति? • कानि विकसन्ति? • (कर्ता क्रिया की) कथा को बताइए	• समीपस्थ लगने वाले हाट-बाजार का भ्रमण करना। • बाजार में कौन क्या बेच रहा है। बताना। • क्या-क्या वस्तुएँ देखी	• अकारान्त पुंल्लिंग, आकारान्त. स्त्रीलिंग, व अकारान्त नपुंसक लिंग शब्दों को समझ पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
परिभाषा		उदयः प्रातः उतिष्ठिति। दन्तधावनं करोति तत्पश्चात् दैनिक क्रियां करोति। • एक बालक को खड़ा कर के शिक्षक निर्देशित करे। क्रियाओं को करने के लिए सर्वप्रथम- बालकः (परिचय) बालकः गच्छति (जाने का निर्देश), बालकः आगच्छति (आने का निर्देश) बालकः तिष्ठति। • हरीशः खादति, पिवति..... • दुर्गा पठति, लिखति.... • वाहनं गच्छति (इस प्रकार प्रत्यक्ष विधि से अन्य चित्र/वचन में पढ़ाएंगे)	द्विवचन/ बहुवचन)
• सर्वनाम की परिभाषा • संस्कृत सर्वनाम शब्दों का ज्ञान।	तृतीयः पाठ : सर्वनाम शब्दाः	• अभिनय के माध्यम से पूर्व ज्ञान को जोड़कर शिक्षक सर्वनाम शब्दों का ज्ञान कराएंगे। यथा- बालकः (दूर खड़ा करके) सः बालकः। एषः बालकः, बालिका, सा बालिका। एषा बालिका।, त्वं पठसि।	• कक्षा में उपस्थित छात्र-छात्राएँ • चित्रित कार्ड (महापुरुष के) • तीनों लिंगों

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• तीनों लिंगों के तीनों वचनों को जानना। • कर्ता व क्रिया को समझाना • वचन परिवर्तन सिखाना। • धातु व लकार की पहचान बताना। • कर्ता अनुसार सही क्रियाओं को जोड़कर बताना।		खरीदी उनको बताना। • साथ में कौन-कौन मित्र गए उनका नाम लिखकर तथा उन्होंने क्या-क्या देखा, लिया, खाया उसकी सूची बनाना। • "क्रिया के अनुसार उचित क्रिया को जोड़कर दश वाक्यों को बनाइये। • कक्षा में छात्र मौखिक एंव लिखित वाक्य प्रयोग करें।	• एकवचन, द्विवचन व बहुवचन को समझ पा रहे हैं। • कर्ता व क्रिया को समझा पा रहे हैं। • वचन परिवर्तन कर पा रहे हैं। • धातु व लकार की पहचान बता पा रहे हैं। • कर्ता के अनुसार सही क्रियाओं को जोड़ पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• विद्यार्थी द्वारा तीनों लिंगों व वचनों में सर्वनाम शब्दों को जानना।	• सः कः? • एषा का? पुंल्लिंग/स्त्रीलिंग/नपुंसक लिंग शब्दों को पृथककर लिखें? सः,एषः, तत्, सा,	• आपस में परिचय हेतु संस्कृत माध्यम में सर्वनाम शब्दों का प्रयोग यथा-	• सर्वनाम शब्दों को (तीनों लिंगों में)जान पा रहे है। • सर्वनाम

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• लिंग ज्ञान (पुंल्लिंग-स्त्रीलिंग-नपुंसक लिंग)। • चित्र द्वारा शब्दज्ञान • वचन (लिंगानुसार एकवचन-द्विवचन-बहु वचन) लिंग परिवर्तन।		• कार्ड का प्रयोग करते हुए शिक्षक प्रश्नों के माध्यम से सर्वनाम शब्दों को स्पष्ट करेंगे। (तीनों लिंगों में, तीनों वचनों में, तीनों पुरुषों में) • शिक्षक सस्वर गीत गाएंगे- अहं वदामि संस्कृतभाषाम् वयं वदामः संस्कृतभाषाम् सरल मधुरा संस्कृतभाषाम् वन्दे-वन्दे संस्कृतभाषाम् माता वदति संस्कृतभाषाम् बालाः वदन्ति संस्कृतभाषाम् त्वम् अपि वदसि संस्कृतभाषाम् यूयं वदथ संस्कृतभाषाम् वन्दे-वन्दे संस्कृतभाषाम् (फिर छात्र से प्रश्न पूछें) शिक्षक- विनोद! त्वं किं पठसि? विनोद-संस्कृतम्	में,पुरुषों में शिक्षक व विद्यार्थियों की सहभागिता से।
• संस्कृत संख्या परिचय • लिंगानुसार संख्या ज्ञान • चित्र माध्यम से अभ्यास • गतिविधि तथा क्रीड़ा द्वारा अभ्यास	चतुर्थः पाठः- संख्या बोधः	• अभिनय के माध्यम से संख्या को स्पष्ट करेंगे। अंगुली प्रदर्शन कर- एकम्, द्वे, त्रीणि, चत्वारि, पंच, ... (छात्रों को हिन्दी संख्या का ज्ञान है) • गीत माध्यम से संख्या पढ़ाना- एकं द्वे वदन्तु सर्वे, त्रीणि चत्वारि आनय वारि पंचषट् कराभ्यां भट् सप्त अष्ट सत्यनिष्ठ नव दश उपविश। • प्रत्यक्ष विधि एवं द्वारा संख्या को स्पष्ट करेंगे। यथा- एकः वृक्षः, द्वौ बालकौः, त्रयः अश्वाः • शिक्षक तीन छात्रों को लिंग अनुरूप चित्रित संख्या के कार्ड लेकर अन्य छात्रों के समक्ष खडा करेंगे। शिक्षक निर्देशित करेंगे चित्र को देखो स्पष्ट करेंगे।	• संख्या लिखित कार्ड • लिंग अनुरूप चित्रित संख्या के कार्ड (1-5 तक) • तीनों लिंग की वस्तुएँ, खिलौने दैनिक वस्तुएँ।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	अस्मद्-युस्मद् (पुंल्लिंग/स्त्रीलिंग) शब्दों का समझना। • प्रश्न के माध्यम से सर्वनाम शब्दों को स्पष्ट करना।	एतत् एषा ते, एते, तानि, ताः, एतानि, एताः। • छात्र प्रश्न पूछकर सर्वनाम शब्दों को स्पष्ट करेंगे।	अहं सूर्यः त्वं कः? सः कः? सः छात्रः। • व्यक्ति, वस्तु या चित्रों के माध्यम से सर्वनाम का प्रयोग करें।	शब्द तीनों वचनों में समझ पा रहे हैं। • अस्मद्-युस्मद् शब्दों को समझ पा रहे हैं। • प्रश्न माध्यम से सर्वनाम शब्दों की स्पष्टता कर पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• संस्कृत संख्या को जानना। • तीनों लिंगों में। संख्या को समझना। • संख्या गीत गाना। • लिंग अनुसार संख्या को पहचानना।	• ..... फलम (9) • 3..... । • गृहे के.के. सन्ति? • गृहे कति जनाः सन्तिः? • नीचे दिए गए चित्र के आधार पर संख्या को लिंग अनुसार लिखिए। 	• संख्याधारित प्रश्न पूछकर क्रीड़ा खेलना। • सर्वप्रथम शिक्षक दो छात्रों को चुनकर निर्देशित करेंगे एक को संख्या को श्यामपट पर लिखने को कहेंगे। तथा दूसरे को उसके लिंग बताने को कहेंगे। शब्दों में	• संस्कृत में संख्या को जान पा रहे हैं • तीनो लिंगों में संख्या के रूप को जान पा रहे हैं। • संख्या को गीत के माध्यम से गा पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		एकः बालकः, एका बालिका एकं यानम् फिर दूसरा चित्र देंगे द्विवचन में द्वौ बालकौ, द्वे बालिके, द्वे याने तीन के लिए-चित्र) त्रयः बालकाः, तिस्रः बालिकाः त्रीणि यानानि चार के लिए चित्र चत्वारः बालकाः, चतस्र बालिकाः चत्वारि यानानि पंच के लिए प्रत्यक्ष या चित्र से भी कर सकते हैं। 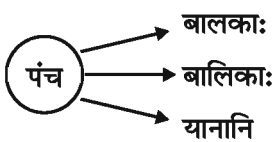 	
• विद्या का महत्व • आदर्श सस्वर-गायन अनुगायन। • श्लोकान्वय। • श्लोकार्थ। • विद्या विषयक अन्य श्लोकों का संकलन। • नवीन शब्दों का अर्थ।	पंचमः पाठः विद्या महिमा	• येषां न विद्या तपो न दानं ज्ञानं न शीलं गुणो न धर्मः। ते मृत्युलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।। श्लोक गायन के माध्यम से विद्या का महत्व बताना। • पाठ में निहित श्लोकों का आदर्श वाचन सस्वर गायन के साथ करेंगे। अनुगायन करवाएंगे। श्लोक अन्वय श्यामपट्ट पर करेंगे। • विद्या से सम्बन्धित दूसरे श्लोकों को सुनाएंगे। • विद्यार्थियों को संकलित करने को कहेंगे। • नवीन शब्दों के अर्थ विद्यार्थियों को	• श्यामपट्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• तीनों लिंगों की संख्या का प्रयोग करना।		यथा-एका, एकः द्वौ इस प्रकार सभी लिंगों में संख्या क्रीड़ा दश संख्या तक करेंगे। • अपने घर के आस-पास कितने वृक्ष हैं? संस्कृत में लिखे। • घर में कितने कमरे, कुर्सी, टेबल है बताइए।	• लिंग अनुसार संख्या को पहचान पा रहे हैं। • तीनों लिंगों की संख्या का प्रयोग कर पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• विद्या के महत्व को समझना। • श्लोक को गायन के रूप में सिखना। • श्लोक के अन्वय को समझना। • शब्दों के अर्थ को जानना। • विद्या के श्लोक को	• विद्या किं ददाति? • केषां बलं विद्या? • गृहे विद्यां के ददाति? • पाठ के आधार पर विद्या के महत्व पर पांच वाक्य लिखो।	• छात्रों से प्रांगण में विद्या के महत्व पर चर्चा करना उनके घर परिवार के सदस्यों में विद्या के प्रति विचारों को जानना। • विद्या को प्राप्त कर घर, परिवार, समाज, प्रदेश, देश या विश्व में कौन क्या बना? या कौन-कौन से	• विद्या के महत्व को जान पा रहे हैं। • श्लोक को गा पा रहे हैं। • श्लोक का अन्वय कर पा रहे हैं। • विद्या के बारे में वाक्य बोल पा रहे हैं। • शब्दों के अर्थ को

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		बताएंगे।	
• सम्भाषण विद्या से परिचय • शब्दाधारित रचना • समय का महत्व एवं समय पालन का ज्ञान। • द्वितीया विभक्ति परिचयः, प्रयोग • शब्दरूप, धातु रूप लेखन।	षष्ठः पाठः मम दिनचर्या (द्वितीया विभक्तिः)	• प्रत्यक्ष व अभिनय के माध्यम से, चार्ट की सहायता से द्वितीया विभक्ति समझाएंगे। • यथा – लेखनी दिखाते हुए वाक्य • अहं लेखनीं ददामि। • अहं विद्यालयं गच्छामि। • अहं सप्तवादने विद्यालयं गच्छामि। • शिक्षक छात्रों से उनकी दिनचर्या को पूछेंगे। समयानुसार सुव्यवस्थित दिनचर्या को पाठ के माध्यम से बतलाएंगे। तथा स्फोरक पत्र द्वारा द्वितीया विभक्ति का प्रयोग अभ्यास करवाएंगे।	• लेखनी, स्फोरक पत्र (द्वितीया विभक्ति आधारित)

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	समझ कर दूसरे श्लोकों का संकलन करना।		बड़े कार्यों को किये यह ढूँढना, लिखना और बोल कर बताना।	जान पा रहे हैं। • शब्दों के अर्थ बता पा रहे है।
8+2 (द्वितीया विभक्ति हेतु) = 10	• द्वितीया विभक्ति को समझना। • दिनचर्या को जानना। • समय ज्ञान बताना। • द्वितीया विभक्ति के शब्द रूपों को जानना। • पाठ में चित्र के साथ प्रयुक्त होने वाली धातुओं को बताना। • द्वितीया विभक्ति में प्रयुक्त श्लोकों का गायन सिखना।	• मोहनः कदा उत्तिष्ठति? • मोहनः कदा किं करोति? • नीचे दी गई आकृति के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 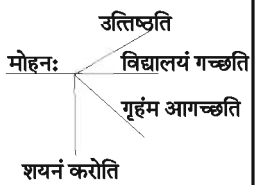 • द्वितीया विभक्ति के पदो को चुनकर लिखिए – बालकः, युवकम्, पत्रिका, लेखनी, वनम्, पुस्तकम्। • द्वितीया विभक्ति का प्रयोग कर अपनी-अपनी दिनचर्या लिखिये।	• समयानुसार दिनचर्या का सूचीकरण कीजिए। • दिनचर्यानुसार ईश्वर, माता, पिता एवं गुरु को प्रतिदिन प्रणाम करें। • विद्यार्थी अपनी अपनी दिनचर्या बोलें। • महान् लोगों की दिनचर्या का संकलन करना। • द्वितीया विभक्ति युक्त 5-5 वाक्य बोलना और लिखना।	• द्वितीया विभक्ति को जान पा रहे हैं। • दिनचर्या को समझ पा रहे हैं। • संस्कृत में समय ज्ञान कर पा रहे हैं। • द्वितीया विभक्ति के शब्द रूप को बता पा रहे हैं। • धातुओं का पुरुष व वचन के अनुरूप प्रयोग कर पा रहे हैं। • द्वितीया विभक्ति के श्लोकों को गा पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• संगठन का महत्व • संगठनों के नाम, सहयोग एवं सहकार का महत्व एवं भावना • तृतीया विभक्ति का अर्थ एवं प्रयोग • शब्दों का परिचय	सप्तमः पाठः संहति कार्य साधिका (तृतीया विभक्तिः)	• शिक्षक प्रत्यक्ष अभिनय विधि द्वारा प्रस्तुतीकरण कर सकते हैं, यथा– सुधाखण्डः – अहं सुधाखण्डेन लिखामि। •नासिका – अहं नासिकया जिघ्रामि। • प्रश्न माध्यम से तृतीया विभक्ति का ज्ञान कराना, सह योग में तृतीया विभक्ति बताऐंगे। • अहं बालेन सह गच्छामि (प्रत्यक्षविधि) अभ्यास के लिए वाक्य– • सीता रामेण सह गच्छति। • पुत्रः जनकेन सह गच्छति। • अभिनय व प्रत्यक्ष विधि के माध्यम से आगे बढ़ते हुए पाठ का आदर्श वाचन करना, एकता के महत्व को बताना, पाठ में दिए विभिन्न उदाहरणों को पढ़ाना तथा संगठन की उपयोगिता को बताना। • शिक्षक 4–5 छोटी लकड़ियों को दिखाकर सर्वप्रथम एक लकड़ी उठाकर तोड़ेंगे फिर बची हुई लकड़ियों को एक साथ तोड़ेगा। ये बच्चे स्वतः जान सकेंगे कि एकता में कितनी शक्ति है । • शिक्षक उनके ज्ञान को पुष्ट करेगा।	• सुधारखण्ड, श्यामपट्ट, शिक्षक द्वारा प्रत्यक्ष प्रयोग पुष्प, लकड़ियाँ (छोटी– छोटी 4–5) तृतीया विभक्ति युक्त स्फोरक पत्र सह योगे तृतीया विभक्ति के स्फोरक पत्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8+2 (तृतीया विभक्ति के लिए) कुल -10 काल खण्ड	• तृतीया विभक्ति को जानना। • तृतीया विभक्ति का व्यावहारिक प्रयोग बताना। • संगठन के महत्व को समझना। • परस्पर सहयोग को समझना। • संगठन की शक्ति को बताना। • तृतीया विभक्ति का प्रयोग कर वाक्य बनाना। • सह योग में तृतीया विभक्ति का प्रयोग करना। • तीनों लिंग में तृतीया विभक्ति के तीनों वचनों	• घटः केन पूर्णः भवति? • वयं काभ्यां पश्यामः? • सह योगे पंच वाक्यांना निर्माणं कुरुत।	• शरीर के अंगों के नामों की सूची का निर्माण करना। • चित्राधारित संस्कृत शब्दों के अनुसार वाक्य में प्रयोग करें।	• तृतीया विभक्ति को जान पा रहे हैं। • तृतीया विभक्ति का व्यावहारिक प्रयोग कर पा रहे हैं। • एकता के महत्व को समझ पा रहे हैं। • परस्पर सहयोग को समझ पा रहे हैं। • तृतीया विभक्ति के वाक्य का प्रयोग कर पा रहे हैं। • सह योग में तृतीया विभक्ति को समझ पा रहे हैं। • तीनों लिंग/वचन के शब्द

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• परोपकार की चर्चा, महत्व (उदाहरण सहित) • परोपकार की भावना का प्रकाशन • चतुर्थी विभक्ति का अर्थ एवं प्रयोग • दर्शनीय स्थलों का पर्यटन।	अष्टमः पाठः परोपकारः (चतुर्थी विभक्तिः)	• प्रस्तावना में लघु कथा के माध्यम से परोपकार की भावना को विद्यार्थियों को बताएंगे– एक विद्यालय में एक बालक पढ़ता था उसका मित्र था उसकी आर्थिक स्थिति ठीक न थी उसको चित्रकारी करने का शौक था पर रंगों के अभाव में वह पेन्सिल से ही चित्रकारी करता था। उस बालक ने यह सब बात अपनी माँ को बताई और कहा कि मैं चाहता हूँ मेरे मित्र के पास रंग हो जिससे वह एक अच्छा चित्रकार बन सके। माँ ने अपने पुत्र की परोपकार भावना को जानकर उसके मित्र को रंग दिलवाए। बालक को अपनी माँ पर गर्व था और माँ को बेटे पर। • विभक्ति पाठन अभिनय माध्यम से भोजनं – भोजनालयं • अहं भोजनाय भोजनालयं गच्छामि। • अहं अर्चनाय देवालयं गच्छामि।	• कथाचार्ट • चतुर्थी विभक्ति आधारित स्फोरक पत्र • श्यामपट्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	में शब्द रूप पहचानना। • तृतीया विभक्ति के श्लोकों को गायन रूप में बताना।			रूप पहचान पा रहे हैं। • तृतीया विभक्ति के श्लोकों को गा पा रहे हैं।
8+2 (चतुर्थी विभक्ति के लिए) कुल -10 काल खण्ड	• परोपकार के भाव को समझना • प्रकृति परोपकार कार्य को बताना। • परिवार में परिजनों के परोपकार को समझना। • सैनिक, जनसेवक, गाय, शरीर आदि के परोपकार के भाव को समझना। • चतुर्थी विभक्ति का व्यावहारिक ज्ञान वाक्यों के माध्यम से करना। • चतुर्थी	• धनं किमर्थं भवति? • प्रकृत्याः सुरक्षायै वयं मानवाः किं-किं कर्तुं शक्नुमः? • परोपकार के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं, लिखिए।	• पूजनीय वृक्षों की सूची संस्कृत तथा हिन्दी में बनाना। • कौन-कौन से वृक्षों की पूजा कब-कब होती है सूची बनाना। • पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षों का क्या उपयोग है? बताइए।	• परोपकार के भाव को समझ पा रहे हैं। • प्रकृति के परोपकार को बता पा रहे हैं। • माता-पिता के परोपकार को समझ पा रहे हैं। • पाठ में निहित श्लोक के परोपकार भाव को समझ पा रहे हैं। • चतुर्थी विभक्ति के व्यावहारिक ज्ञान को वाक्य के रूप में बता पा रहे

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• प्रदेश के प्रसिद्ध विभिन्न दर्शनीय स्थलों की चर्चा। • उज्जयिनी का ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक परिचय। • पंचमी विभक्ति का अर्थ व	नवमः पाठः उज्जयिनी दर्शनम् (पंचमी विभक्तिः)	• हमारे प्रदेश के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कौन से है – ओंकारेश्वर, आरेछा, उज्जैन, दतिया आदि। • प्रति बारह वर्ष में बड़ा मेला कौन सा लगता है – सिहंस्थ महापर्व। • मध्यप्रदेश के किस नगर में सिंहस्थ महापर्व होता हैं – उज्जैन में। • उज्जैन के प्रसिद्ध स्थित कौन–कौन से है। • शिक्षक कक्षा में छात्रों से सिंहस्थ महापर्व के बारे में विस्तार से चर्चा करें। • विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सिहस्थं का भ्रमण किया गया हो तो उनसे	• सिंहस्थ के चित्र • नदी, मंदिर आदि के चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	विभक्ति के रूपों को पहचानना • 'कृते' शब्द के योग में चतुर्थी विभक्ति के कार्य का प्रयोग बतलाना।। • प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में बताना।			हैं। • चतुर्थी विभक्ति को तीनों लिंगों/वचनों में पहचान पा रहे हैं। • कृते शब्द के योग में चतुर्थ विभक्ति के कार्य को बता पा रहे हैं। • प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में बता पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• उज्जैन के दर्शनीय स्थलों को जानना। • उज्जयिनी के प्राचीन कालीन महत्व को समझना। • सान्दीपनि आश्रम के बारे में जानना। • राजा	• कस्मात् विक्रमसंवत्सरस्य गणना भवति? • उज्जयिनी नगरस्य दर्शनीयस्थलाना सूची निर्माणं कुरुत। • मुख्य दर्शनीय स्थानं कस्याः समीपे राजते? • पंचमीविभक्तिं संयोज्य पंच वाक्यानि रचयत? • प्रदत्त शब्देषु तः (तसिल्) प्रत्ययं संयोज्य वाक्य निर्माणं	• बारह ज्योतिर्लिंगों के नामों की सूची। • स्थानानुसार ज्योतिर्लिंगों के नाम की सूची तैयार करना। • ज्योतिर्लिंगों से सम्बंधित नगरों के समीप प्रवाहित नदियों की सूची बनाना। • महाकाल मंदिर	• उज्जैन के दर्शनीय स्थलों को जान पा रहे हैं। • उज्जयिनी के प्राचीन महत्व को समझ पा रहे हैं। • सान्दीपनी आश्रम के बारे में बता पा रहे हैं। • राजा विक्रमादित्य

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
प्रयोग। • दर्शनीय स्थलों का पर्यटन। • तसिल् प्रत्यय का अर्थ एवं प्रयोग		अनुभव सुनते हुए पाठ को आगे बढ़ाये।	

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	विक्रमादित्य के विषय में जानना। • महाकवि कालिदास के कवित्व को जानना। • महाकाल मन्दिर की विशेषता को समझाना। • पंचमी विभक्ति तीनों लिंगों/वचनों में समझना। • तः (तसिल्) प्रत्यय के प्रयोग को समझना। • पंचमी विभक्ति के श्लोकों को समझना। • कुम्भपर्व, पंचकोशी यात्रा के विषय में जानना।	कुरुत-यथा बालकः भोपालं सीहोरं गच्छति। • बालकः भोपालात् सीहोरं गच्छति। •	के साथ -साथ उज्जयिनी के अन्य मंदिरों की सूची बनाना। • आपके क्षेत्र के आस-पास के मंदिरों की सूची बनवाना।	के विषय में बता पा रहे हैं? • महाकवि कालिदास के कवित्व को बता पा रहे हैं। • महाकाल मन्दिर की विशेषता को समझ पा रहे हैं। • पंचमी विभक्ति तीनों लिंगों/वचनों में समझ पा रहे हैं। • तः (तसिल्) प्रत्यय के प्रयोग को समझ पा रहे हैं। • पंचमी विभक्ति के श्लोकों को समझ पा रहे हैं। • कुम्भ पर्व व पंचकोशी यात्रा के बारे में बता पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• पारस्परिक परिचयात्मक चर्चा। • षष्ठी विभक्ति की वाक्य रचना • संस्कत कारकों की संख्या।	दशमः पाठः परिचयः (षष्ठी विभक्तिः)	अभिनय प्रत्यक्ष विधि द्वारा • शिक्षक रामायण का चित्र (राम, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न, दशरथ, सीता) दिखाकर प्रश्न पूछेंगे– दशरथः रामः • दशरथस्य पुत्रः रामः • रामस्य भ्राता लक्ष्मणः • लक्ष्मणस्य भ्राता भरतः • भरतस्य भ्राता शत्रुघ्नः शिक्षक– कस्य पुत्रः रामः? छात्र– दशरस्य पुत्रः रामः। • शिक्षक– (बालक को बुलाकर) बालकस्य नाम शिवेन्द्रः कस्य नाम शिवेन्द्रः? छात्र– बालकस्य नाम शिवेन्द्रः। शिक्षक– जनकस्य नाम हरीशः ईश्वरस्य नाम गणेशः, मन्दिरस्य नाम महाकालमंदिरं शिक्षक– चित्रं (सीता पार्वती लक्ष्मी, नदी), सीता पति रामः शिक्षक– सीतायाः पतिः रामः, कस्याः पतिः राम? छात्राः– उत्तरं यच्छन्ति। शिक्षक– पार्वत्याः पतिः शिवः, कस्याः पतिः शिवः? छात्राः– उत्तरं यच्छन्ति। शिक्षक– नद्याः नाम गंगा कस्याः नाम गंगा? इस प्रकार प्रस्तावना अनन्तर पाठ का अध्यापन करेंगे।	• पाठ से संबंधित चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8+2 काल खण्ड	• संस्कृत में परिचय ज्ञान कराना। • संस्कृत में विद्यालय व परिवार के परिचय को जानना। • संस्कृत भाषा की विशिष्टता को जानना। • षष्ठी विभक्ति के प्रयोग को जानना। • सम्बन्ध सूचक वाक्यों का निर्माण करना। • श्लोक के माध्यम से विद्या का महत्व बताना।	• भवतः/ भवत्याः नाम किम्? • कक्षायां कः कस्य मित्रम् अस्ति? • प्रदत्तशब्देषु कः कस्य किम् अस्ति- इति आधारेण वाक्य निर्माणं कुरुत - गणेशः शिवः हिमालयः गंगा पर्वतः नदी, रामः सीताः	• विभिन्न परिवारों का सर्वेक्षण करना। • सम्बन्धवाची शब्दों का संकलन। • सम्बंधों के आधार पर सदस्य संख्या का निर्धारण। • सम्बन्ध सूचक शब्दों का षष्ठी विभक्ति में प्रयोग यथा- मातुलः मातुलस्य पितृव्यः-पितृव्य स्य भ्राता-भ्रातुः भगिनी- भगिन्याः पितामही- पितामह्याः पितृव्यायाः भ्रातृजाया- भ्रातृजायायाः पितामहः- पितामहस्य	• संस्कृत में परिचय कर पा रहे हैं। • परिवार का परिचय दे पा रहे हैं। • संस्कृत भाषा की विशिष्टता को जान पा रहे हैं। • षष्ठी विभक्ति के प्रयोग को जान पा रहे हैं। • सम्बंध सूचक वाक्यों का निर्माण कर पा रहे हैं। • श्लोक के माध्यम से विद्या का महत्व बता पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• देश एवं विभिन्न प्रदेशों की जानकारी • मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति की जानकारी। • मध्यप्रदेश का सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक परिचय • सप्तमी विभक्ति का अर्थ एवं वाक्य प्रयोग • शब्द रूप एवं धातु रूप	एकादशः पाठः अस्माकं प्रदेशः (सप्तमी विभक्ति)	• भारत के नक्शे को दिखाते हुए विद्यार्थियों से देश के विभिन्न राज्यों के नाम पूछे जावें। राज्यों की चर्चा करते हुए पूछें कि देश के हृदय प्रदेश के रूप में कौन सा प्रदेश प्रसिद्ध है। • मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थलों (धार्मिक, सांस्कृतिक) पर चर्चा करते हुए छात्रों को प्रदेश के बारे में बतायें • छात्रों के दो दल बनायें जायें- एक दल प्रसिद्ध स्थल का नाम बताएगा दूसरा दल उसके जिले का नाम एवं प्रसिद्धि का कारण बतायेगा। • विद्यार्थियों से उनके आस-पास के स्थल का वर्णन सुनें। • विद्यार्थियों से प्रदेश के संबंध में पांच वाक्य संस्कृत में सुनना।	• भारत का नक्शा • मध्यप्रदेश का नक्शा • प्रदेश के प्रसिद्ध स्थलों के चित्र
• रामकथा पर चर्चा • लङ्लकार का परिचय • भूतकालिक वाक्य प्रयोग। • संस्कृत वाक्य	द्वादशः पाठः राम-चरितम् (लङ्लकारः)	• श्लोक माध्यम से प्रस्तावना कर सकते हैं, जैसे - रामो राजमणि सदा विजयते रामं रमेशं भजे। रामेणाभिहता निशाचरचमू रामाय तस्मै नमः।। रामन्नास्ति परायणं परतरं रामस्य दासोऽस्म्यहम् रामे चित्तलयः सदा भवतु मे हे राम! मामुद्धर।।	• श्यामपट्ट, सुधा खण्ड • राम का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• सप्तमी विभक्ति को समझना • प्रदेश के भौगोलिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक महत्व को जानना • प्रदेश के प्रसिद्ध स्थलों की जानकारी प्राप्त करना। • विभिन्न स्थलों को प्रदेश के नक्शे पर दर्शाना।	• आपके जिले का नाम क्या है? • आपके द्वारा देखे गये प्रसिद्ध स्थल का वर्णन करें।	• आपके जिले के सभी विकासखण्डों के नामों की सूची बनायें। • आपके आस-पास पाई जाने वाली प्रमुख फसलों की सूची बनायें।	• मध्यप्रदेश के बारे में जान पा रहे हैं। • प्रदेश के प्रसिद्ध स्थलों की जानकारी दे पा रहे हैं। • मध्यप्रदेश की स्थापना का सन् बता पा रहे हैं। • सप्तमी विभक्ति का प्रयोग कर पा रहे हैं। • शब्दों में धातु रूप का प्रयोग कर पा रहे हैं।
8+2 (लङ् लकार) कुल 10 काल खण्ड	• राम के जीवन विषयक ज्ञान। • राम के विषय में जानना। • राम के	• दशरस्थस्य कति पुत्रा: आसन्? • राम: वनवासकाले कुत्र-कुत्र गतवान्?	• रामचरित के आधार पर कक्षा में नाटक प्रस्तुत करना। • राम-रावण युद्ध का वर्णन कक्षा में सुनाएं।	• राम के जीवन के विषय में जान पा रहे है राम-सीता-लक्ष्मण के वन गमन के

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
रचना का अभ्यास • धातुरूपों, शब्दरूपों का कण्ठस्थीकरण		तत् पश्चात शिक्षक छात्रों से प्रश्न पूछेंगे। • दशरथस्य पुत्रः कः? • विश्वामित्रस्य शिष्यः कः? • सीतायाः पतिः कः? • रावणस्य संहारकः कः? • आसीत् इति पदे कः लकारः? इस प्रकार पाठ का विस्तार करेंगे।	
• कथा का महत्व • नीति कथाओं पर चर्चा • लङ् एवं लृट् लकार का अर्थ	त्रयोदशः पाठः चतुरः वानरः लङ् लकारः-	• कक्षा में काक का चित्र दिखाकर एवं काक (कौए) की कथा सुनाते हुए प्रश्न पूछेंगे। • कथा– एकः काकः। सः पिपासितः एकः घटः तत्र जलं स्वल्पमस्ति काकः उपायं चिन्तयति। सः पाषाणखण्डान्	• काक की कथा से संबंधित चित्र। • वानर कथा से संबंधित चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जीवन की घटनाओं को जानना। • आदि कवि वाल्मीकि के बारे में जानना। • धातुओं का लङ्लकार के तीनों लिंगों/वचनों का ज्ञान करना। • शब्दरूपों का अभ्यास करना। • लङ्लकार का प्रयोग कर कथा निर्माण करना।		• लङ्लकारस्य प्रयोगं कृत्वा पंच वाक्यानि रचयत? • रामस्य जीवन-विषये पंच-वाक्यानि रचयत।	कारण को बता पा रहे हैं। •आदिकवि के बारे में जान पारहेहैं। • धातुओं के लङ्लकार रूपों के प्रयोग को बतापारहेहैं। • लङ्लकार के तीनों लिंगों/वचनों का ज्ञान कर पारहेहैं। • शब्द रूपों का अभ्यास कर पारहेहैं। • लङ्लकार का प्रयोग कर कथा निर्माण कर पारहेहैं।
8+2 (लङ् लकार) कुल 5 काल खण्ड	• कथा का महत्व जानना। • नीति कथा के विषय में समझना।	• जम्बूवृक्षः कुत्र आसीत्? • कथां श्रुत्वा चित्रनिर्माणं कुरुत? • पंच फलानां नामानि लिखत?	• संस्कृत में पशु-पक्षियों के नामों का संकलन • चित्राधारित पशु-पक्षियों की पहचान।	• कथा का महत्व बता पा रहे हैं। • नीति कथा के विषय में समझा पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
प्रयोग एवं उदाहरण • प्रत्यय की परिभाषा • क्त्वा प्रत्यय का अर्थ एवं सोदाहरण प्रयोग। • शब्दरूप • धातुरूप • लकार परिवर्तन।	(लङ्लकारः क्त्वा प्रत्ययः)	स्वीकरोति घटे पातयति। जलम् उपरि आगच्छति। काकः जलं पिबति सन्तुष्टः भवति। प्रश्नाः – • कः पिपासितः? • काकः किम् अन्वेषयति? • जलं प्राप्तुं काकः किं करोति? • उपायेन प्राप्तं जलं पीत्वा काकः किम् अनुभवति? इस प्रकार प्रस्तावना के आधार पर पाठ का अध्ययन अध्यापन करेंगे।	

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• लङ्, लृट् लकार का अर्थ जानना। • लङ्, लृट् लकार का प्रयोग करना। • प्रत्यय की परिभाषा को जानना। • क्त्वा प्रत्यय का अर्थ जानना। • क्त्वा प्रत्यय का प्रयोग करना। • शब्दरूप जानना व धातुरूप का लङ्, लृट् में परिवर्तन करना। • विशेषण विशेष्य ज्ञात करना। • श्लोक माध्यम से मित्रता को समझना। • क्रमानुसार कथा लेखन करना।		• वन्य/पालतू आदि भेदों के आधार पर पशु-पक्षियों का वर्गीकरण कर सूची बनाना।	• लङ्, लृट् लकार का अर्थ बता पा रहे हैं। • लङ्, लृट् लकार का प्रयोग कर पा रहे हैं। • प्रत्यय की परिभाषा को बता पा रहे हैं। • क्त्वा प्रत्यय का अर्थ बता पा रहे हैं। • क्त्वा प्रत्यय का प्रयोग कर पा रहे हैं। • शब्दरूप व धातुरूप को जान पा रहे हैं। • विशेषण विशेष्य को बता पा रहे हैं। • श्लोक माध्यम से मित्रता को समझ पा रहे हैं। • क्रमानुसार कथा लेखन बता पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• विभिन्न जन्तुओं पर चित्राधारित विमर्श • पत्र विधा पर चर्चा • पत्रों के प्रकार • जन्तुओं का वर्गीकरण (जलचर, थलचर, नभचर) • राष्ट्रीय पशु पक्षियों का ज्ञान।	चतुर्दशः पाठः 'जन्तुशाला'	• सिंह, बाघ, भालू, हाथी आदि के खिलौने या चित्र दिखाकर उनके रहने के स्थान आदि पर चर्चा तथा सिंह कैसी आवाज करता है? कहाँ रहता है? आदि प्रश्नों के माध्यम से जन्तु शाला के बारे में जानकारी देते हुए पाठ का विस्तार करेंगे। • मित्र को पत्र लिखकर जन्तुशाला की जानकारी देना।	• जन्तु शाला का चित्र • जन्तुओं के खिलौने • राष्ट्रीय पशु-पक्षी के चित्र • जलचर, थलचर, नभचर के चार्ट
• राष्ट्रीय पर्वों पर चर्चा • स्वतंत्रता आंदोलन पर परिचर्चा • विभिन्न स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्बन्ध में ज्ञान	पंचदशः पाठः स्वतंत्रता दवसः	देशभक्ति गीत के माध्यम से प्रस्तावना करते हुए पाठ का विस्तार करें – • वन्दे भारत मातरं, वद्, भारतवन्दे मातरम्। जन्मभूरियं वीरवराणां त्यागधनानां धीराणाम्। मातृभूमये लोकहिताय च नित्यसमर्पित चित्तनाम्। जितकोपानां कृतकृत्यानां वित्तं तृणवद् दृष्टवताम् मातृसेवनादात्मजीवने सार्थकतामानीतवताम्।। प्रश्नः– गीते कस्याः वन्दना भवति?	• भारत का चित्र • भारतमाता का चित्र • ध्वज का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• जन्तुशाला के बारे में जानना । • राष्ट्रीय पशु एवं राष्ट्रीय पक्षी के बारे में जानना। • थलचर जलचर एवं नभचर का वर्गीकरण करना। • पशु पक्षियों के व्यवहार एवं स्वभाव के बारे में जानना। • पत्र लेखन करना।	1. अस्माकं राष्ट्रियः पक्षी कः? 2. पंजरे कः उत्पतति? 3. कस्य पुंछः दीर्घःभवति?	• अपने आस-पास पाए जाने वाले जीव जन्तुओं के नामों की सूची बनाते हुए उनके व्यवहार का अध्ययन करके अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।	• जन्तु शाला के बारे में जान पा रहे हैं। • राष्ट्रीय पशु पक्षी के बारे में जान पा रहे हैं। • जलचर, थलचर, नभचर के बारे में जान पा रहे हैं। • पत्र विधा से परिचित हो पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के विषय में समझना। • स्वतंत्रता दिवस के महत्व को जानना। • ध्वजारोहण के बारे में	• कस्मिन् मासे स्वतंत्रता दिवसः भवति? • स्वतंत्रता दिवस से संबंधित किसी गीत का संकलन कीजिए। • क्रान्तिकारियों के चित्र निर्माण कीजिए।	• महापुरुषों की कहानियों को सुनाईए। • स्वतंत्रता से सम्बंधित कविता, गीत की रचना करना। • देशभक्ति गीतों को सुनाना। • राष्ट्रीय पर्व के समय	• प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के विषय में समझ पा रहे हैं। • स्वतंत्रता दिवस के महत्व को बता पा रहे हैं। • ध्वजारोहण के बारे में

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• स्वतन्त्रता दिवस का महत्व।		उत्तम्- भारतमातुः (मातृभूमेः)। प्रश्नः- इयं जन्मभूमिः केषाम् अस्ति? उत्तरम्- त्यागधनानां वीराणाम्। प्रश्नः- वीराः कां प्राप्तुं जीवनं समर्पितवन्तः? उत्तरम- स्वतंत्रताम्। प्रश्नः- स्वतन्त्रतादिवसे वयं किं-किं कुर्मः?	
• मध्यप्रदेश के प्राचीन ऐतिहासिक राजपुरुषों भोज विक्रमादि की चर्चा • विभिन्न प्राचीन नगरों की चर्चा • धारा नगरी की विस्तृत चर्चा	षोडशः पाठः भोजस्य शिक्षाप्रियता (क्त्वा/ ल्यप् प्रत्ययौ)	• अभिनय व प्रत्यक्ष विधि से विद्यार्थी को विभिन्न क्रियाओं को करने के लिए निर्देशित करेंगे - बालकः गच्छति। बालकः आगच्छति। बालकः गत्वा आगच्छति। बालकः खादित्वा हसति। बालिका आगत्य वदति। बालिका विज्ञाय कार्यं करोति। • कथा श्रवणम्-क्त्वा/ ल्यप् प्रयोग कक्षायां छात्राः सन्ति। शिक्षकः आगत्य वदति। • अहं प्रश्नं पृच्छामि यः उत्तरं ददाति	• क्त्वा/ ल्यप् प्रत्यय के स्फोरक पत्र (अभ्यास के लिए) • मध्यप्रदेश का मानचित्र • भोज राजा का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जानना • महापुरुषों को पहचानना।		कौन-कौन सी तैयारियाँ करनी चाहिए सूची बनाना।	बता पा रहे हैं। • महापुरुषों को पहचान पा रहे हैं। • क्रांतिकारियों के बारे में बता पा रहे हैं। • राष्ट्रगान के बारे में बता पा रहे हैं। • प्रश्न निर्माण कर पा रहे हैं। • लट्लकार के प्रयोग को पहचान पा रहे हैं। • संस्कृत माध्यम से भाषण कर पा रहे है।
8+2 (व्या करण) कुल 10 काल खण्ड	• मध्यप्रदेश के मालवाक्षेत्र का ज्ञान करना। • भोज की शिक्षा प्रियता को जानना। • श्लोक रचना को समझना। • क्त्वा/ल्यप्	• धारा नगर्याः नृपतिः कः आसीत्? • क्त्वा/ल्यप् प्रत्ययों का प्रयोग कर कथा निर्माण •	• राजा भोज के विषय में मित्रों से चर्चा करना। • म.प्र. के अन्य राजाओं के बारे में चर्चा कर सूची बनायें। • कथा के आधार पर चित्र निर्माण करना। • नाटक के माध्यम से	• मध्यप्रदेश के मालवा क्षेत्र के बारे में बता पा रहे हैं। • भोज की शिक्षाप्रियता को बता पा रहे हैं। • श्लोक रचना को समझ पा रहे

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• क्त्वा, ल्यप् प्रत्यय का ज्ञान एवं वाक्य प्रयोग • शब्दरूप एवं धातुरूप, संस्कृत लेखन।		तस्मै पुरस्कारं ददामि। अस्माकं राष्ट्रीयगीतं किम्? प्रश्नं पृष्ट्वा शिक्षकः उत्तरस्य प्रतिक्षां करोति एकः विद्यार्थी उत्तरं वदति–वन्देमातरम् 'सुजलां' 'सुफलां' आदि राष्ट्रीयगीतं अस्ति इति उक्त्वा उपविशति। शिक्षकः तस्मै छात्राय पुरस्कारं प्रदाय प्रोत्साहयति। वदति च शिक्षया सर्वे प्रियाः भवन्ति अतः शिक्षा गृहणीया। इस प्रकार पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों को क्त्वा/ल्यप् प्रत्यय को बताते हुए विस्तार करेंगे।	
• संस्कृत गद्य एवं पद्य पर चर्चा • पद्य काव्य का मनोवैज्ञानिक प्रभाव, • आदर्श गायन • अन्वय • लृट्लकार का पुनरावलोकन • गीत कण्ठस्थीकरण • संस्कृत वाक्य	सप्तदशः पाठः चरामेति चरामेति (लृट्ल कारः)	कविता के माध्यम से प्रस्तावना करते हुए प्रश्न पूछेंगे – लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है, मन का विश्वास रगों में साहस भरता है। चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है। आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती। प्रश्नोत्तर– प्रश्न– किसकी हार नहीं होती?	• श्यामपट्ट • सुधाखण्ड • प्रयास को दर्शाने वाले चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	प्रत्यय का प्रयोग जानना। • पर्याय शब्दों का ज्ञान करना। • विभक्ति व वचनों को पहचानना। • शब्दरूप लेखन करना। • धारानगरी के बारे में जानना।		प्रस्तुतीकरण करना। • आपके आस-पास कोई राजा हुए हो तो उनकी जानकारी एकत्र करना।	हैं। • क्त्वा/ल्यप् का प्रयोग बता पा रहे हैं। • पर्याय शब्दों का ज्ञान कर पा रहे हैं। • विभक्ति व वचनों को पहचान पा रहे हैं। • शब्दरूप लेखन कर पा रहे हैं। • धारानगरी के बारे में बता पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• चरामेति शीर्षक के बारे में जानना। • लृट्लकार के प्रयोग को जानना। • धीर, वीर, निर्भयता के बारे में समझना • भेदभाव के विनाश के बारे में	• वयं कस्य सेवार्थं निरन्तरं चलिष्याम:? • लृट्लकार क्रिया पदों पर आधारित पाँच वाक्य बनाएँ? • गीत कण्ठस्थ कर कक्षा में सुनाएँ।	• चरामेति पाठ के गीत का समूहगान कराना। • अन्य समान भाव की रचनाओं का संकलन करना।	• चरामेति शीर्षक के बारे में बता पा रहे हैं। • लृट्लकार के प्रयोग को बता पा रहे हैं। • धीर, वीर, निर्भयता के बारे में समझ पा रहे हैं। • भेदभाव विनाश के बारे में समझ पा रहे

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
रचना •		उत्तर- कोशिश करने वालों की। प्रश्न- कविता में कोशिश कौन कर रहा है? उत्तर- चींटी। चरामेति-चरामेति के भाव को व्यक्त करते हुए पाठ का अभ्यास करेंगे।	
• विभिन्न भारतीय पर्वों पर चर्चा एवं परिचर्चा। • पर्वों का सामाजिक महत्व। • दीपावली का ऐतिहासिक सन्दर्भ	अष्टादशः पाठः दीपावलीः	1. हमारे देश में कौन-कौन से उत्सव मनाते हैं? 2. दीपावली पर हम क्या-क्या करते हैं? 3. दीपावली उत्सव किस मास की किस तिथि को मनाया जाता है? • शिक्षक प्रस्तावना के प्रश्न के उत्तर देते हुए पाठ का आदर्श वाचन करेंगे। • छात्रों से ही उत्सवों के बारे में जानेंगे।	• विभिन्न उत्सवों को छोटे रूप में प्रस्तुत करते हुए दीपावली को मुख्य चित्र के रूप में प्रयोग करेंगे। • दीपावली के विभिन्न पहलुओं को

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	समझना। • सभी के हित के लिए कार्यों को बताना। • लृट्लकार के रूपों का लिखना। • संस्कृत पद्य एवं गद्य रचना को समझना। • श्लोक अन्वय पूर्ति को करना। • श्लोक का पदच्छेद करना। • नवीन शब्दों के अर्थ जानना।			हैं। • सभी के हित के लिए कार्यों को बता पा रहे हैं। • लृट्लकार के रूपों को लिख पा रहे हैं। • संस्कृत गद्य व पद्य रचना को समझ पा रहे हैं। • श्लोक अन्वय पूर्ति कर पा रहे हैं। • श्लोक का पदच्छेद कर पा रहे हैं। • नवीन शब्दों के अर्थ को बता पाते है।
8 काल खण्ड	• भारतीय उत्सवों के बारे में जानना। • दीपावली के विशेष महत्व एवं उद्देश्य को जानना। • अकारान्त एवं आकारान्त शब्द रूपों से परिचित	• दीपावली उत्सवः कति दिनानां भवति? • कः दीपावली-सन्देशः? • 'उत्सव' शब्दस्य रूपाणि श्रावयतु? • 'भू' धातोः लृट्लकारे रूपाणि श्रावयतु?	• छात्रों को समूह में बिठाकर, एक-एक करके उत्सवों के बारे में पूछेंगे। • छात्रों को उत्सवों पर चित्र बनाने को कहेंगे। • छात्र एक-एक उत्सव पर	• भारतीय उत्सवों के बारे में जान पा रहे हैं। • दीपावली के विशेष महत्व एवं उद्देश्य को जान पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• वाक्यरचना • शुद्धलेखन • निबन्ध रचना।		• छात्रों से भी पाठ का शुद्ध वाचन करवायेंगे। • दीपावली के दिन पटाखों का प्रयोग उचित या अनुचित है, इस पर चर्चा करेंगे। • पर्यावरण संरक्षण पर भी चर्चा करेंगे।	प्रदर्शित करता हुआ चित्र जो कि पाठ को सुस्पष्ट करे।
• विज्ञान का महत्व एवं जीवन पर प्रभाव की चर्चा। • प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों का संक्षिप्त परिचय • विज्ञान के आधुनिक आविष्कारों पर चर्चा। • अन्य आविष्कारों की सूची एवं चित्र तथा उनके संस्कृत नाम।	नवदशः पाठः विज्ञानस्य आविष्काराः	• प्रत्यक्ष व अभिनय माध्यम से– शिक्षक चलवाणी यंत्र का प्रयोग करते हुए प्रश्न पूछ सकते हैं, जैसे – • एतत् किम् अस्ति? (चलवाणी दिखाते हुए) • चलवाणीयन्त्रस्य प्रयोगः किमर्थं कुर्मः? • वार्तालापाय, मनोरंजनाय अन्य कानि साधनानि अस्ति? इस प्रकार पाठ का विस्तार करेंगे।	• चलवाणी, फ्रीज, दूरदर्शन आदि के खिलौने / चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	होना। • वाक्य रचना करना। • दीपावली शीर्षक पर पाँच- पाँच वाक्य लिखना। • छात्र रुचि अनुरूप किसी भी पर्व पर निबन्ध लिखना।		चार-चार वाक्य बोलेंगे। • पर्वों के नामों की सूची बनाना। • दीपावली में बनाई जाने वाली मिठाइयों के नाम लिखना।	
8 काल खण्ड	• विज्ञान के महत्व को जानना। • विज्ञान का जीवन में उपयोग समझना। • विज्ञान के आविष्कारों के बारे में जानना। यथा- हिमशीतक दूरदर्शन, दूरवाणी, चलवाणी यंत्र संगणक इत्यादि। • पाठ में दिए यंत्रों का महत्व व उपयोगिता बताना। • धातुओं के बहुवचन रूप बताना।	• आवश्यकता केषां जननी अस्ति? • गृहे स्थितयन्त्राणां नामानि लिखत? • यंत्रों के नाम लिखकर उनकी उपयोगिता बताएँ?	• यंत्रों के पात्र का नाट्य प्रस्तुतीकरण • विज्ञान के लाभ-हानि पर चर्चा। • हमारे आस-पास विज्ञान से संबंधित वस्तुओं के नाम की सूची बनाना। • आधुनिक आविष्कारों की चर्चा करना, सूची बनाना, चित्र बनाना तथा उनके नाम संस्कृत में लिखना।	• विज्ञान के महत्व को बता पा रहे हैं। • विज्ञान का उपयोग जीवन में समझ पा रहे है। • विज्ञान के आविष्कारों के बारे में जान पा रहे हैं। • पाठ में दिए यन्त्रों का महत्व व उपयोगिता बता पा रहे हैं। • धातुओं के बहुवचन रूप बता पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• जीवन में परिश्रम का महत्व। • परिश्रमशील व्यक्तियों के उदाहरण • गुरुनानकदेव एवं सिक्ख धर्म पर चर्चा	विंशः पाठः श्रमस्य महत्वम्	प्रस्तावना को चित्र माध्यम से करते हुए विद्यार्थियों से प्रश्न पूछ सकते हैं, जैसे – चित्र दिखाकर – प्रश्नः – चित्रे कः अस्ति? उत्तरम्– श्रमिकः। प्रश्नः – श्रमिकः किं करोति? उत्तरम्– श्रमिकः श्रमं करोति। प्रश्नः – श्रमेण किं प्राप्यते? उत्तरम्– ..... इस प्रकार श्रम से संबंधित अन्य उदाहरणों को बताते हुए पाठ को आगे बढ़ायेंगे।	• कार्य करते हुए श्रमिक का चित्र।
• सुभाषित का अर्थ एवं महत्व • सस्वर गायन • अनुगायन • अन्वय • व्याकरण, सन्धि	एकविंशः पाठः सुभाषितानि	संस्कृत श्लोक का वाचन कक्षा में कर छात्रों से प्रश्नों के माध्यम से प्रस्तावना कर सकते हैं, जैसे – माता शत्रुः पिता वैरी, येन बालो न पाठितः। न शोभते सभा मध्ये, हंस मध्ये बको यथा।। प्रश्नाः – 1. हंसमध्ये कः न शोभते? 2. अपठितः बालः कुत्र न शोभते? 3. सभा मध्ये शोभां प्राप्तुं किं करणीयम्?	• सुभाषित लिखा हुआ चार्ट। • स्फोरक पत्र निर्माण यथा– • उद्यमः करणीयः • विद्यार्थिनः पंचलक्षण– लिखितं स्फोरक पत्रम्।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• जीवन में परिश्रम के महत्व को जानना। • गुरुनानकदेव एवं सिक्ख धर्म के बार में समझना। • श्रम से उपार्जित धन का महत्व जानना। • क्त्वा प्रत्यय जोड़कर वाक्य निर्माण करना। • अन्य धर्म प्रवर्तकों के बारे में जानकारी प्राप्त करना।	• सिक्ख धर्मस्य प्रवर्तकः कः? • अन्य धर्मों के नाम लिखिए? • घर के कौनसे सदस्य क्या- क्या काम करते है लिखिए? • गुरुनानक देव के समान अन्य प्रवर्तकों की कथा लिखिए।	• परिश्रम का प्रत्यक्ष ज्ञान विद्यालय के प्रांगण में पौधारोपण एवं पौधों को पानी देकर कराया जाए। • हमें किन-किन कार्यों के लिए परिश्रम करते हैं सूची बनाईए।	• जीवन में परिश्रम के महत्व को बना पा रहे हैं। • गुरुनानकदेव एवं सिक्ख धर्म के बारे में समझ पा रहे हैं। • श्रम से उपार्जित धन का महत्व बता पा रहे हैं। • क्त्वा प्रत्यय जोड़कर वाक्य निर्माण कर पा रहे हैं। • अन्य धर्म प्रवर्तकों के बारे मे जान पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• सुभाषित का अर्थ व महत्व को जानना। • श्लोकों का सस्वर गायन करना। • विद्यार्थियों के पंचलक्षणों को जानना। • आत्म चिन्तन, प्रियवाक्य का महत्व, मनुष्य के गुण को जानना। • वाक्यों में 'आम्' 'न' को पहचानना। • श्लोक की अन्वयपूर्ति समझना। • श्लोकों में निहित शब्दों, सन्धि शब्दों का पृथक् करण जानना।	• गुणस्य आभरणं किम्? • सभी श्लोकों को कण्ठस्ठ करके सुनाना। • श्लोकों के अन्वय को बताइए।	• सुभाषित श्लोकों के अलावा अन्य श्लोकों को एकत्र कर सुनाना। • सुभाषितों से प्राप्त शिक्षा को लिखना। • प्रतिदिन किसी एक श्लोक का गायन प्रातः घर में करना।	• सुभाषित का अर्थ व महत्व बता पा रहे हैं। • श्लोकों का सस्वर गायन कर पा रहे हैं। • श्लोकों में निहित शिक्षा के महत्व को बता पा रहे हैं। • वाक्यों में 'आम्' 'न' को पहचान पा रहे हैं। • श्लोक की अन्वय पूर्ति समझ पा रहे हैं। • श्लोकों में निहित सन्धिशब्दों का पृथक् करण बता पा रहे हैं।

लर्निंग आउटकम्स

1. संस्कृत वर्णों और ध्वनियों को सुनकर पहचानते हैं (स्वर, व्यंजन, विसर्ग, अनुस्वार आदि)।
2. चित्रों को देखकर उनके संस्कृत नाम बताते हैं।
3. संस्कृत के श्लोकों व पद्यों को सुनकर उनका गायन करते हैं।
4. संस्कृत के शब्दों को शुद्ध पढ़ते हैं।
5. सरल प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में देते हैं।
6. शब्द रूपों का शुद्ध उच्चारण करते हैं।
7. संस्कृत संख्याओं का लिंग के अनुसार प्रयोग करते हैं।
8. संस्कृत वाक्यों में वचन, पुरुष, लिंग की पहचान करते हैं।
9. संस्कृत वाक्यों में कर्ता के साथ उचित क्रिया को जोड़ते हैं।
10. धातु एवं लकार की पहचान करते हैं।
11. चित्र देखकर संस्कृत में सरल वाक्य बनाते हैं।
12. दिये गये शब्दों के आधार पर आवेदन पत्र लिखते हैं।

(6)

प्रथमः पाठः

शब्दपरिचयः

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–

1. ....

2. ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–

1. ....

2. ....

❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐

❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम ....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम ....

द्वितीयः पाठः

कर्तृक्रिया सम्बन्धः

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–

1. ....

2. ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–

1. ....

2. ....

❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....

❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐

❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम ....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम ....

तृतीयः पाठ :
सर्वनामशब्दाः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

चतुर्थः पाठः
संख्याबोधः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पंचमः पाठः
विद्या महिमा

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

षष्ठः पाठः
मम दिनचर्या (द्वितीया विभक्तिः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

सप्तमः पाठः
संहति कार्यसाधिका (तृतीया विभक्तिः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

अष्टमः पाठः
परोपकारः (चतुर्थी विभक्तिः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

नवमः पाठः
उज्जयिनी दर्शनम् (पंचमी विभक्तिः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

दशमः पाठः
परिचयः (षष्ठी विभक्तिः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

एकादशः पाठः
अस्माकं प्रदेशः (सप्तमी विभक्तिः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

द्वादशः पाठः
रामचरितम् (लङ्लकारः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

त्रयोदशः पाठः
चतुरः वानरः (लङ्लकारः क्त्वा प्रत्ययः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

चतुर्दशः पाठः
'जन्तुशाला'

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पंचदशः पाठः
स्वतंत्रतादिवसः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

षोडशः पाठः
भोजस्य शिक्षाप्रियता (क्त्वा/ल्यप् प्रत्ययौ)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

सप्तदशः पाठः
चरामेति चरामेति (लृट्लकारः)

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

अष्टादशः पाठः
"दीपावलीः"

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

नवदशः पाठः
विज्ञानस्य आविष्काराः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

विंशः पाठः
श्रमस्य महत्वम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

एकविंशः पाठः
सुभाषितानि

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

(7) कक्षा 7 के लिए

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• दिशाओं का ज्ञान • तीर्थस्थलों की जानकारी। • संस्कृत वाक्य रचना • शंकराचार्य के विषय में ज्ञान। • विभिन्न मठों का ज्ञान।	प्रथमः पाठः चत्वारि धामानि	प्रस्तावना निम्न प्रकार से की जा सकती है – • कक्षा में छात्रों को प्रसिद्ध महापुरुषों के बारे में बताएगें तथा उनके द्वारा किये गये कार्यो का उल्लेख करेंगे जैसे स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती आदि। • शिक्षक कक्षा के छात्रों से चारों धामों के विषय में पूछेंगे तथा यह भी जानेगें कि परिवार के किसी भी सदस्य के चारधाम की यात्रा से आने के बाद उनके द्वारा सुनाये गये अनुभवों से जोडते हुए चार मठों के महत्व को बताएंगे।	• भारत का नक्शा • भारत के प्रसिद्ध चार धामो के चित्र । • शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार मठों के चित्र आदि।
• मास • तिथि • पक्ष • सप्ताह • काल • ऋतु आदि का ज्ञान • व्याकरण	द्वितीयः पाठः काल–बोध :	• ड्राइंगशीट पर सूर्य एवं रेखा चित्र (दिन, पक्ष, तिथि) आदि को दर्शाते हुए छात्रों से प्रश्न पूछते हुए काल के विषय में चर्चा के माध्यम से प्रस्तावना की जा सकती है। • कक्षा में छः छात्रों को छः ऋतुओं के नाम देकर उनको एक गोल घेरे में खड़ाकर घुमाये तथा फिर बीच–बीच में विद्यार्थियों से किस विद्यार्थी का किस ऋतु का नाम दिया गया है यह पूछे। • यह प्रक्रिया माह के नाम की तिथियों के नाम आदि से भी कर सकते हैं।	• सूर्य का चित्र • ड्राईंग शीट • रेखा चित्र आदि

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
6 काल खण्ड	• चार मठों के बारे में जानना। • प्रसिद्ध चार धामो के विषय में समझना व जानना।	• शंकराचार्य कः आसीत्? • ज्योतिर्मठं कुत्र अस्ति? • मठानि केन स्थापितानि?	• अपने आस-पास के प्रसिद्ध व्यक्तियों की सूची बनाना। • भारत के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों की सूची बनाना। • आपके क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिर की जानकारी एकत्र करना (किसने और कहां बनावाऐं।)	•चार धामों का वर्णन कर पा रहे हैं। •शिक्षक द्वारा पूछे गये प्रश्न के उत्तर दे पा रहे हैं। • संस्कृत में वाक्यांश पढ़ पा रहे हैं। • विभिन्न दिशाओं के आधार पर स्थानों के नाम बता पा रहे हैं। •संस्कृत संख्या (1-4) लिंगानुसार बता पा रहे हैं। • अपने निकटस्थ प्रसिद्ध स्थल का वर्णन कर पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• सप्ताह के दिनों के बारे में जानना । • ऋतुओं के बारे में जानना । • हिन्दी महिनों के बारे में जानना । • तिथि, वार आदि के बारे में जानना ।	• अमावस्या कस्मिन् पक्षे भवति? • चन्द्रः पूर्णतां कदा प्राप्नोति? • पृथिव्याः आकारः अस्ति? • चन्द्रः कति कलाभिः पूर्णः भवति।?	• आप के क्षेत्र में मनाये जाने वाले पर्वों की सूची हिन्दी माह के अनुसार बनाइये।	• ऋतुओं के बारे में बता पा रहे है। • हिन्दी महीनों के नाम बता पा रहे हैं। • एक माह में होने वाले पक्ष एवं तिथियों को बता पा रहे हैं। • धातु, शब्दरूप आदि का प्रयोग कर पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
•कथा/कहानी • बुद्धि की महत्ता का ज्ञान	तृतीयः पाठः बलाद् बुद्धिर्विशिष्यते	• समान भाव की कहानी के माध्यम से छात्रों को बुद्धि का महत्व बताते हुये पाठ का प्रारम्भ कर सकते हैं (यथा चतुरः वानरः) • कहानी का हाव-भाव के साथ आदर्श वाचन एवं कठिन शब्दों को शब्दार्थ सहित समझाना।	• शेर का चित्र • खरगोश का चित्र • जंगल का चित्र • अन्य पशुओं के चित्र • कुएँ का चित्र
• नीतिश्लोकों का गायन • अनुगायन। • नीतिश्लोकों का संग्रह • श्लोकों का	चतुर्थः पाठः चाणक्य-वचनानि	• कक्षा में निम्नलिखित श्लोक का वाचन करने के उपरांत प्रश्न पूछकर प्रस्तावना कर सकते हैं - विद्या ददाति विनयम्, विनयादयाति पात्रताम्। पात्रत्वाद् धनमाप्नोति, धनाद्धर्मः ततः सुखम्।।	• श्लोक के अनुसार चित्र, यथा- घड़े का चित्र • नल से बूंद टपकने का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• बुद्धि का महत्व जानना। • बल की अपेक्षा बुद्धि श्रेष्ठ होती है यह अन्तर करना। • बुद्धि से शक्ति पर विजय प्राप्त की जा सकती है यह समझना। • कहानी विद्या को जानना।	• यस्य बुद्धिर्भवति तस्य किम् भवति? • शशकः कदा सिंहस्य समीपं अगच्छत्? • सिहस्य गर्जनस्य का भवति ?	• पशुओं से संबंधित अन्य कहानी का संकलन करें • बुद्धि से संबंधित कहानियों का संकलन करें। • आपके क्षेत्र में प्रचलित पशु-पक्षियों की कहानी को लिखें।	• बुद्धि के महत्व को बता पा रहे हैं। • शक्ति की अपेक्षा बुद्धि का महत्व प्रतिपादित कर पाते हैं। • सन्धि का विच्छेद कर पा रहे है। • धातुरूपों को लकारों में चला पा रहे हैं। • संस्कृत वाक्य रचना कर पा रहे हैं। • विलोम शब्दों को बता पा रहे हैं। • शब्दों के अर्थ बता पा रहे हैं। • कहानी विधा से परिचित हो पा रहे है।
8 काल खण्ड	• श्लोकों के अन्वय को जानना। • शब्दों के अर्थ बताना। • श्लोकों में से	• हंसमध्ये कः न शोभते? • महतां धनं किम्? • विद्या किं धनं स्मृतम्?	• अपने मित्रों, परिवार के सदस्यों से चर्चा करके 3 श्लोक लिखिए। • अपने घर व आस-पास से	• श्लोकों का अर्थ कर पा रहे हैं। • अन्वय करने की प्रक्रिया बता पा रहे है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
अन्वय • व्याकरण		• शिक्षक द्वारा उचित आरोह अवरोह एवं लय ताल के साथ श्लोकों का गायन करना। • श्लोकों का अन्वय एवं शब्दार्थो का अर्थ बताना । • कठिन शब्दों की व्याख्या करते हुए पाठ को आगे बढ़ाएंगे।	• वृक्ष का चित्र जिस पर सुगन्धित पुष्प हो।
• भारतीय पर्वों पर चर्चा • रक्षा बन्धन का महत्व • पर्व मनाने के प्रकार • व्याकरण	पंचमः पाठः रक्षा बन्धनम्	• हमारे देश में मनाये जाने वाले विभिन्न पर्वों के चित्र दिखाकर उनसे संबंधित प्रश्नों के माध्यम से प्रस्तावना कर सकते हैं, यथा- दशहरा पर्व कब मनाया जाता है। • जन्माष्टमी किस उपलक्ष्य में मनाई जाती है। • पाठ का आदर्श वाचन, कठिन शब्दों की व्याख्या एवं अर्थ तथा रक्षाबन्धन पर्व से जुडी हुई बातों पर चर्चा, रक्षाबंधन मनाने के अनुभव विद्यार्थियों से सुनना	• प्रत्यक्ष राखी • भाई बहनों के चित्र • नरियल का चित्र
• प्रयत्न का महत्व • गायन	षष्ठः पाठः प्रयत्नो विधेयः	• प्रयत्न करके किसी कार्य में सफल होने से संबंधित कोई कहानी, श्लोक सुनाकर प्रस्तावना के माध्यम से पाठ का अध्यापन कर सकते हैं, जैसे – उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनारथैः। न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशति मुखे मृगाः।।	• पर्वत का चित्र • बालक का चित्र • पर्वत पर चढ़ते हुये बालक का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	सार ग्रहण करना • धातु क्रिया शब्द रूपों को छांटना।		आपको कौन-से नैतिक मूल्य दिखाई देते हैं लिखें	• पाठ में आए हुए शब्दों की विभक्ति बता पा रहे है। • श्लोकों का संस्कृत में गायन कर पा रहे है।
8 काल खण्ड	• विभिन्न पर्वों के विषय में जानना। • पर्व मनाने के विषय में जानना। • रक्षा बन्धन पर्व के महत्व को जानना।	• रक्षाबन्धनं कस्मिन मासे भवति ? • अस्माकं देशस्य प्रमुख उत्सवाः के ?	• आपके आस-पास मनाये जाने वाले पर्वों के विषय में 5 पंक्तियां लिखिए। • विभिन्न पर्वों पर आप क्या-क्या करते हैं लिखिए।	• रक्षा बन्धन से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे पा रहे है। • विभिन्न उत्सवों के विषय में बता पा रहे है। • पाठ में आए सन्धि एवं सन्धि युक्त शब्दों को चुन पा रहा है। • सन्धि शब्दों का प्रयोग कर पा रहे हैं।
10 काल खण्ड	• प्रयत्न के द्वारा प्राप्त सफलता के महत्व को समझना । • पाठ में आये हुए नवीन शब्दों के भावार्थ को	• प्रयत्न शब्द के सभी विभिक्त में रूप लिखिए।	• आपके द्वारा घर में किये जाने वाले कार्यों की सूची बनाइए। • आपने प्रयास करके किस कार्य में सफलता प्राप्त की उसका विवरण	• प्रयत्न के महत्व को समझ पा रहे हैं। • विभिन्न शब्दों के विभक्ति रूपों को बता पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		• कक्षा में सभी श्लोकों का उचित हावभाव के साथ आदर्श वाचन एवं अन्वय • शब्दार्थों का अर्थ एवं आवश्यकतानुसार व्याख्या • श्लोक में आए हुए सन्धि, धातु आदि शब्दों को व्याख्या सहित बताते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	
• प्रदेश के विभिन्न नगरों की चर्चा • भोपाल नगर का महत्व • धातु रूप • शब्दरूप • पूर्व रूप संधि • संवाद विद्या से परिचय	सप्तमः पाठः भोपाल नगरम्	• कक्षा में छात्रों से देश के विभिन्न राज्यों के नाम पूछकर उनकी राजधानी पूछते हुए मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की चर्चा करते हुए पाठ का आरम्भ कर सकते हैं। • कक्षा में संवाद रूप में छात्रों के नाम निर्धारित करते हुए पाठ का आदर्श वाचन करेंगे तथा भोपाल के विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का वर्णन करते हुए पाठ का विस्तार करें।	• भारत का नक्शा • मध्यप्रदेश का नक्शा • भोपाल नगर के विभिन्न स्थलों के नाम लिखें स्फोरक पत्र
• गुरुगोविन्दसिंह के जीवन से संबंधित चर्चा। • सिक्ख धर्म	अष्टमः पाठः गुरुगोविन्दसिंहः	• शिक्षक प्रश्न के माध्यम से प्रस्तावना कर सकते हैं, यथा – • भारत के प्रमुख धर्मों के नाम बताईए? • विद्यार्थीयों से उत्तर प्राप्त होने के	• सिक्ख धर्म के विभिन्न गुरुओं के नाम का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जानना।		लिखें।	• विलोम शब्दों को बता पा रहे हैं। • समानार्थी शब्दों को बता पा रहे हैं।
8+2 (व्याकरण हेतु) कुल 10 काल खण्ड	•वर्णन करने की विधा को समझना •संवाद विधा को समझना ऐतिहासिक स्थलों के बारे में जानना • पूर्व रूप संधि को जानना। • भोपाल नगर के बारे में जानना।	• भोपालस्य समीपे कानि प्रसिद्धानि स्थलानि सन्ति • विश्व प्रसिद्ध कला केन्द्रस्य किं नाम अस्ति।	• आपके नगर की प्रमुख विशेषताओं की सूची बनाएं। • भोपाल के अतिरिक्त प्रदेश में प्रसिद्ध नगरों की सूची बनाएं तथा प्रसिद्धि का कारण लिखें।	• संवाद कर पा रहे है। • भोपाल नगर के प्रसिद्ध स्थलों की विशेषता बता पा रहा है। • पूर्व रूप संधि के उदाहरण बता पा रहे है। • पाठ में आए हुए पूर्वरूप संधियुक्त शब्दों को खोज पा रहे हैं। • भोपाल नगर के बारे में बता पा रहे हैं।
8+2 (व्याकरण हेतु) कुल	• सिक्ख धर्म के मूलभूत सिद्धान्तों को जानना। • गुरु	• गुरुगोविन्द सिंह कस्य धर्मस्यः गुरुः आसीत्? • सिक्ख धर्मस्य दशमः गुरुः कः?	• सिक्ख धर्म के गुरुओं के नामों की सूची तैयार कीजिए। • सिक्ख धर्म के	•गुरुगोविन्दसिंह से संबंधित प्रश्नों के उत्तर दे पा रहे हैं। • सिक्ख धर्म

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
के मूलभूत विषयों का सामान्य ज्ञान। • अव्यय ज्ञान। • अव्यय का प्रयोग।		पश्चात शिक्षक सिक्ख धर्म के गुरुओं के संबंध मे चर्चा करें। • शिक्षक संवाद पाठ में दिए नामों के अनुसार विद्यार्थियों को संवाद पठन के लिए नियुक्त करेंगे संवाद पठन के समय गुरुगोविन्द सिंह के जीवन चरित एवं सिक्ख धर्म के मूलभूत बिन्दुओं को स्पष्ट करते जाऐंगे। पाठ में अव्यय पदों को भी स्पष्ट करेंगे।	
• भारतीय अर्थव्यवस्था के परिपेक्ष्य में गाँवों का महत्व • कृषि का महत्व • पत्र विधा का परिचय • ग्राम जीवन का ज्ञान	नवमः पाठः ग्रामजीवनम्	• शिक्षक कक्षा में विद्यार्थियों को ग्राम एवं ग्राम जीवन का परिचय देते हुए तथा भूमिका रूप में ग्राम के वातावरण को बताते हुए पाठ की प्रस्तावना कर सकते हैं। • शिक्षक पत्र विधा के स्वरूप को विद्यार्थियों के समक्ष स्पष्ट करेंगे, तदन्नतर पाठ्यवस्तु का वाचन विद्यार्थियों द्वारा किया जाएगा। वाचन के समय विद्यार्थी पाठ में आए हुए छोटे वाक्यों को पढ़ते जाऐंगे एवं शिक्षक उच्चारण को शुद्ध करवाते हुए पाठ को स्पष्ट करेंगे।	• ग्राम जीवन पर आधारित चार्ट (यथा - खेत, पशु, फसलें)। • विभिन्न ऋतुओं में होने वाली फसलों के चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
10 काल खण्ड	गोविन्द्रसिंह के विषय में जानना। • पाठ में आए अव्यय पदों को समझना। • सिक्ख धर्म के बाह्य चिह्नों को जानना।	• चण्डीचरितम् इति काव्यस्य रचयिता क:?	प्रमुख धार्मिक स्थलों की सूची बनाएं। • सिक्ख धर्म के पांच बाह्य चिह्नों के बारे में चर्चा करें। • अव्यय शब्दों की सूची बनाएं। • अन्य धर्मों के गुरुओं की सूची	से संबंधित सामान्य प्रश्न के उत्तर दे पा रहे हैं। • पाठ में से अव्यय पदों को चुन पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• पत्र विधा को सीखना। • पत्र के स्वरूप को जानकर अन्य विषयों पर आधारित पत्र रचना करना। • क्त्वा/ल्यप् प्रत्ययों से बने शब्दों को पहचानना। • अपने शब्दों में ग्राम जीवन पर संस्कृत में सरल वाक्य रचना करना। • ग्राम जीवन के बारे में जानना।	• ग्रामे जना प्राय: किं कुर्वन्ति? • कस्मिन् ग्रामे जना: संस्कृते एव वदन्ति? • कृत्वा इति पदे प्रत्यय: अस्ति?	• पाँच घरेलू पशुओं के नामों की सूची बनाईए। • पाँच फसलों के नामों की सूची बनाईए। • समीपस्थ लगने वाले हाट/बाजार का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। • ग्रामीण वातावरण की सुन्दरता पर पाँच वाक्य लिखिए।	• पत्रलेखन के स्वरूप एवं शैली को समझ पा रहे हैं। • ग्रामीण परिवेश एवं संस्कृति को समझ पा रहे है। • कृषि से संबंधित जानकारी ले पा रहे हैं। • क्त्वा/ल्यप् प्रत्ययों का प्रयोग धातुओं के साथ कर पा रहे हैं। • सरल संस्कृत वाक्यों की रचना कर पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• संस्कृत व्याकरण के प्राचीन आचार्यों का ज्ञान • व्याकरण आचार्यों के द्वारा रचित ग्रन्थों का ज्ञान • महर्षि पाणिनि एवं उनके ग्रन्थ अष्टाध्यायी की सामान्य जानकारी • मुनित्रय का परिज्ञान • सन्धि, शब्द रूप एवं धातु रूप का ज्ञान	दशमः पाठः महर्षिः पाणिनिः	शिक्षक छात्रों से विविध प्रश्नों के माध्यम से पाठ की प्रस्तावना कर सकते है, यथा – • देववाणी कौन सी भाषा कहलाती है। • संस्कृत वर्णमाला के रचयिता कौन है? • शिक्षक संस्कृत वर्णमाला को सर्वप्रथम श्यामपट्ट पर लिखेंगे तथा उसके नीचे माहेश्वर सूत्र लिखेंगे एवं दोनों को विद्यार्थियों के समक्ष एक साथ स्पष्ट करते हुए दोनों के आपस में सम्बन्ध को समझाऐंगे। यह भी स्पष्ट करेंगे कि माहेश्वर सूत्र से वर्णमाला को स्वर, व्यंजन आदि के भेद से लिखते समय किन बातों का ध्यान रखेंगे। तत्पश्चात् माहेश्वर सूत्र एवं पाणिनि के संबंध को स्थापित करते हुए पाठ को आगे बढ़ाएगें। साथ ही पाठागत सन्धि शब्दरूपों तथा धातु रूपों को भी स्पष्ट करते जाऐंगे।	• माहेश्वर सूत्रों के स्फोरक पत्र। • महर्षि पाणिनि के सम्बन्ध में पाठ में निहित जानकारी के अनुसार चार्ट यथा– अष्टाध्यायी पाणिनि का समय, परिचय एवं मुनित्रय आदि की जानकारी।
• संस्कृत भाषा की प्राचीनता का ज्ञान • भारतीय सन्दर्भ में संस्कृत भाषा के महत्व का ज्ञान • संस्कृत	एकादशः पाठः अमर वाणी– संस्कृत भाषा	• देववाणी किस भाषा को कहा जाता है • चार वेद किस भाषा में है। इत्यादि प्रश्नो के माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष पाठ की प्रस्तावना कर सकते है। • संस्कृत भाषा के वाङ्मय एवं महत्व पर छात्रो से चर्चा करेंगे। • शिक्षक सर्वप्रथम कक्षा में चार वेदो	• चार वेद • षड् वेदांग आदि के चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्याकंन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
10 काल खण्ड	• महेश्वर सूत्रों के आधार पर संस्कृत वर्णमाला सीखना। • महर्षि पाणिनि का परिचय एवं व्याकरण शास्त्र में उनके योगदान को जानना। • व्याकरण में मुनित्रय को जानना। • पाठागत सन्धि पदों को जानना	• माहेश्वर सूत्राणि कुतः निःसृतानि ? • अष्टाध्यायी इति ग्रन्थे कति पादाः सन्ति? • भाष्यकारः कः? • दाक्षीपुत्रः कः?	• माहेश्वर सूत्रों में से वर्णो पृथक कीजिए। • अपने आस-पास किसी लेखक कवि से चर्चा करें लेखन विषय का विवरण लिखें। • संस्कृत के कवियों/ रचनाकारों के नामों की सूची बनाइये।	• माहेश्वर सूत्र के विषय में जान पा रहे हैं। • माहेश्वर सूत्र से वर्णमाला के वर्ण पृथक कर पा रहे हैं ।
8 काल खण्ड	• संस्कृत भाषा की प्राचीनता को समझना। • संस्कृत वाङ्मय को जानना। • संस्कृत के कवियो एवं उनके ग्रन्थों को	• उचिलमेलनं कुरुत- महाकविः | चत्वारः व्याकरणाचार्य | षोडश वेदाः | पाणिनि संस्काराः | कालिदासः	• महाकवि कालिदास रचित कोई श्लोक खोजकर लिखिए। • पाँच संस्कृत विश्वविद्यालयों के नाम	• भारतीय संन्दर्भ में संस्कृत के महत्व को जान पा रहे हैं। • संस्कृत की कवि परंपरा को समझ

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
वाङ्मय का परिचय।		एवं वेदांगों के नाम श्यामपट्ट पर लिखें। • छात्र पाठ का वाचन करेंगे तथा शिक्षक वाचन के समय संस्कृत भाषा के महत्व को विविध क्षेत्रों में स्पष्ट करेंगे।	
• संस्कृत में प्रहेलिका विधा का ज्ञान। • प्रहेलिका के श्लोक के स्वरूप का ज्ञान • सामान्य श्लोकों से प्रहेलिका की भिन्नता का ज्ञान। • पाठागत शब्दरूपों एवं धातुरूपो का ज्ञान। • संन्धि एवं सरल वाक्य रचना का ज्ञान।	द्वादशः पाठः प्रहेलिका	• शिक्षक कोई पहेली छात्रों से पूछेंगे विद्यार्थियों के उत्तर देने के पश्चात विद्यार्थियों के समक्ष प्रहेलिका की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए पाठ की प्रस्तावना कर सकते हैं। • संस्कृत में प्रहेलिका श्लोकों को स्पष्ट करेंगे। • शिक्षक कक्षा में सर्वप्रथम प्रहेलिका श्लोकों का वाचन कर अनुवाचन करवाएंगे तथा उच्चारण को शुद्ध करवाएंगे। • शिक्षक प्रहेलिका के शब्दों के आधार पर उत्तर जानने मे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।	• प्रहेलिका के उत्तर के चित्रयुक्त स्फोरक पत्र यथा – पोस्टकार्ड, नेत्र, मछली, वृक्ष तथा नारियल के चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	जानना।		खोजकर लिखिए। • पाठागत संस्कृत के शब्दरूपों में मूलशब्द चुनना। • भारत में बोली जाने वाली भाषाओं के नाम लिखिए।	पा रहे हैं। • संस्कृत वाङ्मय के विषय में जान पा रहे है।
10 काल खण्ड	• संस्कृत में प्रहेलिका विधा को समझना। • प्रहेलिका के उत्तर जानना। • सामान्य श्लोकों एवं प्रहेलिका श्लोकों में अन्तर जानना। • पाठागत सन्धि शब्दों को पहचानना। • सरल संस्कृत वाक्य रचना करना।	• एकेन पादेन कः तिष्ठति • साक्षरं न च..... • सन्धि विच्छेदं कुरुत- तस्यादि, वृक्षाग्रवासी	• प्रहेलिका श्लोक खोजकर लिखिए। • 'हरि' शब्द के समान 'रवि' शब्द के शब्दरूपों को लिखिये। • 'लेखनी' शब्द के समान जननी शब्द के शब्दरूपों को लिखिये।	• प्रहेलिका श्लाकों के स्वरूप को समझ पा रहे हैं। • सामान्य सुभाषित से प्रहेलिका की भिन्नता को स्पष्ट कर पा रहे हैं। • पाठागत सन्धिओ की पहचान कर पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• नक्षम एवं खगोल विज्ञान का परिचय। • सौरमण्डल का ज्ञान • आत्मनेपदी धातुरूपों का परिचय	त्रयोदशः पाठः सौर मण्डलम्	• ग्रहों की संख्या कितनी है। • ग्रहों के नाम बताईये। • सभी ग्रह किसकी परिक्रमा करते है। इत्यादि प्रश्नों द्वारा शिक्षक पाठ की प्रस्तावना कर सकते हैं। • प्रस्तावना उपरान्त शिक्षक कक्षा के विद्यार्थियों को ग्रहों के नामानुसार चयनित कर उन्हें ग्रहों के नाम लिखे पत्रक हाथ में देंगे तथा क्रमानुसार कक्षा में अन्य छात्रों के समक्ष सौरमण्डल के रूप में खडे करेंगे। दूसरे विद्यार्थी शिक्षक के निर्देशानुसार वाचन करेगें एवं जिस ग्रह के विषय में बात की जाएगी वह चयनित विद्यार्थी हाथ में पकड़े हुए पत्रक को सबके सामने प्रदर्शित करेंगे इस प्रकार पाठ का विस्तार करेंगे।	• सौर मण्डल का चित्र। • ग्रहों के नाम लिखें पृथक्-पृथक् स्फोरक पत्र।
• स्वतंत्रता आदोलन का ज्ञान। • स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का परिचय। • स्वतंत्रता संग्राम में लोकमान्य तिलक की भूमिका का ज्ञान। • गणेशोत्सव प्रारम्भ से जुड़ी जानकारी का	चतुर्दशः पाठः लोक. मान्यतिकः	• भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सेनानी कौन-कौन है। • महाराष्ट्र प्रान्त के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम बताईये। • गणेशोत्सव का प्रारंभ किसके द्वारा किया गया। उपर्युक्त प्रश्नों के माध्यम से शिक्षक पाठ की प्रस्तावना कर सकते हैं। • शिक्षक विद्यार्थियों को पाठ का अनुवाचन करवाकर उच्चारण शुद्धता पर ध्यान देंगे। बाल गंगाधर तिलक के जीवन एवं स्वतंत्रता संग्राम यात्रा पर आधारित तथ्यो का बिन्दुवार चार्ट शिक्षक विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करेगें एवं अनुवाचन के	• स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के चित्र। • लोकमान्य तिलक से संबंधित तथ्यो का बिन्दुवार चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
10 काल खण्ड	• ग्रहों के नामों को जानना • ग्रहों के परिक्रमा क्रम को जानना। • उपग्रहों को जानना। • तिथियों को जानना। • आत्मनेपदी धातुओं के रूप जानना।	• सौरमण्डलस्य केन्द्रस्थाने कः? • चन्द्रस्य पृथ्वीं परितः भ्रमणकालः कति दिवसाः?	• सौरमण्डल के क्रम के अनुसार ग्रहों की विशेषताएँ अपने शब्दो मे लिखिएँ। • पाठ में आए तथ्यों का बिन्दुवार चार्ट तैयार कीजिए। • 'सेव्' धातु के समान भाष्, रम्, वृत् (वर्त्) आदि आत्मने पदी धातुओं के लट्लकार के रूपों को लिखिये।	• सौरमण्डल के ग्रहो के बारे में जान पा रहें हैं। • ग्रहों के क्रम का ज्ञान हो पा रहा है। • ग्रहों, उपग्रहों आदि के परिभ्रमणकाल का ज्ञान हो पा रहा है। • आत्मनेपदी धातुओं को समझ पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में जानना। • भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन की जानकारी • स्वतंत्रता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक की भूमिका का ज्ञान।	• बालगंगाधरतिलकस्य जन्म कस्मिन् प्रान्ते अभवत्? • तिलकस्य पितुः नाम किम्? • गीतारहस्य इति ग्रन्थस्य लेखकः कः?	• भारतीय पर्वों के नामों की सूची बनाइए। • गणेशोत्सव के विषय में अपने शब्दो मे दस वाक्य लिखिए। • स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने वाले सेनानियों के नामों की सूची बनाइये।	• भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन के बारे में बता पा रहे हैं। • स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जानकारी दे पा रहे हैं। • बाल गंगाधर तिलक का जीवन परिचय एवं स्वतंत्रता संग्राम

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
ज्ञान।		समय पाठ को स्पष्ट करते हुए प्रवर्तित करेंगे।	
• संस्कृत कथा साहित्य का ज्ञान। • पंचतंत्र एवं हितोपदेश की जानकारी। • सन्धि का ज्ञान। • अव्यय पदों का ज्ञान।	पञ्चदश : पाठः मत्स्यत्रय कथा	निम्नांकित प्रश्नों के माध्यम से पाठ की प्रस्तावना कर सकते हैं। • संस्कृत में प्रसिद्ध कथा साहित्य का नाम बताईये। • पंचतंत्र कथा साहित्य के लेखक कौन-कौन है। • प्रस्तावना के उपरांत शिक्षक कक्षा में कथा का आदर्श वाचन करेगें। इसके साथ ही विद्यार्थियों में से कुछ को कहानी के पात्रानुसार नियुक्त करेंगे तथा चयनित विद्यार्थी आपस में कथा के संवाद को करेगे। शिक्षक संवाद के अनुसार तथा पाठागत व्याकरण के अनुसार पाठ को स्पष्ट करेगें।	• कहानी के संवाद पर आधारित विविध दृश्यो के चित्रो के स्फोरक पत्र। • तालाब का चित्र। • मछली का चित्र।
• विज्ञान के महत्व का ज्ञान। • प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक परंपरा का परिचय । • वर्तमान में भारत में स्थित वैधशालाओं का परिचय।	षोडशः पाठः - प्राचीन भारतीय-वैज्ञानिकाः	• विज्ञान के विषय में जानने वाले को क्या कहते है। • प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिकों के नाम क्या-क्या है। उपर्युक्त प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से शिक्षक पाठ की प्रस्तावना कर सकते है। • शिक्षक सर्वप्रथम आपस में संवाद हेतु विद्यार्थियों को पाठ में दिए पात्रों के अनुसार चयनित करें। पात्रानुसार	• प्राचीन भारतीय वेज्ञानिकों के चित्र। • वैज्ञानिकों एवं उनके योगदान संबंधी तथ्यों के बिन्दुवार चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
				में उनके योगदान को समझ पा रहे हैं। • गणेशोत्सव के संबंध में जान पर रहे हैं।
8 काल खण्ड	• पंचतंत्र एवं हितोपदेश के विषय में जानना। • संस्कृत कथा साहित्य के नाम का ज्ञान। • पाठागत सन्धि पदों एवं अव्यय पदों का परिज्ञान।	• जलाशये कति मत्स्याः अवसन्? • ग्रामस्य नाम किम्?	• साप्ताहिक बालसभा में पंचतंत्र की किसी कथा का वाचन कीजिए। • हितोपदेश की किसी कथा का पात्र चयन पूर्वक नाट्य रूपांतरण कीजिए। • संस्कृत ग्रन्थों के नाम की सूची बनाइये। • किन्हीं पाँच अव्ययों की सूची बनाइये।	• संस्कृत कथा साहित्य से परिचित हो पा रहे हैं। • पंचतंत्र एवं हितोपदेश की प्रमुख बातों को समझ पा रहे हैं। • पाठागत सन्धि एवं अव्ययपदों को चुन पा रहे हैं।
10 काल खण्ड	• प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक परंपरा को जानना। • विज्ञान के महत्व को जानना। • भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किये गये कार्यों का महत्व समझना।	• वनस्पतीनां वर्गीकरणं ग्रन्थे अस्ति? • शल्यचिकित्सायाः जनकः कः?	• प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों की उनके कार्यों के संक्षिप्त विवरण सहित प्रदर्शनी लगाईये। • दस प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों के नाम एवं उनके ग्रन्थों के नामों को लिखिये।	• प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक परम्परा को जान पा रहे हैं। • गणित शास्त्र के वैज्ञानिकों के विषय में जान पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		विद्यार्थी अपने अपने संवाद को पढ़ते जाएंगे और शिक्षक पाठागत अवधारणाओं को स्पष्ट करते हुए पाठ प्रवर्तन करेंगे।	
• प्राचीन भारतीय वीरागंनाओं के विषय में ज्ञान। • गोण्ड राजवंशों एवं अन्य समुदायों का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान।	सप्तदशः पाठः राज्ञी दुर्गावती	• भारत की प्राचीन क्रांतिकारी नारियों के नाम क्या-क्या है? • रानी दुर्गावती का संबंध किस नगर से रहा है। इत्यादि प्रश्नों के माध्यम से पाठ की प्रस्तावना कर सकते हैं। • शिक्षक संवाद पठन हेतु पाठ मे दिये गये पात्रों के अनुसार विद्यार्थियों को नियुक्त करेंगे विद्यार्थी क्रम से अपने-अपने संवादो का पाठ करेंगे। शिक्षक विद्यार्थियों के पठन के साथ ही वीरागंना दुर्गावती के विषय में ऐतिहासिक तथ्यो को भी स्पष्ट करते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	• रानी दुर्गावती का चित्र। • उनके महल का चित्र।
• सुभाषितों के अर्थ का ज्ञान। • जीवन में सुभाषितों के महत्व का ज्ञान। • सुभाषितों के सस्वर गायन का ज्ञान। • अन्य सुभाषित श्लोकों का ज्ञान	अष्टादशः पाठः सुभाषितानि	• शिक्षक सर्वप्रथम विद्यार्थियों के समक्ष श्लोकों का सस्वर वाचन करेंगे तदनन्तर विद्यार्थी श्लोकों का अनुवाचन करेंगे। • उच्चारण की शुद्धता को ध्यान में रखते हुए सन्धि पदों, कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखते हुए विद्यार्थियों के समक्ष स्पष्ट करेंगे। • सभी सुभाषितों के अन्वय को बताते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	• सुभाषित लिखे हुए पृथक्-पृथक् स्फोरक पत्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
				•चिकित्सा शास्त्र के वैज्ञानिकों के विषय में जान पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• रानी दुर्गावती के विषय में जानना। • रानी दुर्गावती के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को जानना। • प्राचीन राजवंशों के विषय में जानना।	• चन्देल राजपुत्री का? • दलपतशाहस्य पुत्रः कः? • गोण्डवानाराज्यस्य राजधानी कुत्र आसीत्?	• बालसभा में रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित एकांकी तैयार कर प्रस्तुत करें • भारत की वीरांगनाओं के नामों की सूची बनाइये।	• प्राचीन भारतीय विरागंनाओ में विषय में बता पा रहें हैं। • रानी दुर्गावती के विषय में बारे में जान पा रहें हैं। • रानी दुर्गावती के योगदान को बता पा रहें हैं।
8 काल खण्ड	• सुभाषित के महत्व एवं उपयेगिता का ज्ञान। • सुभाषित के अर्थ का ज्ञान। • सुभाषित के सस्वर गायन को जानना।	• देवताः कुत्र रमन्ते? • पुराणानां संख्या कति? • श्लोकपूर्तिं कुरुत – परोपकारः..... .....पापाय..... .....।	• साप्ताहिक बालसभा में श्लोक पूरण प्रतियोगिता का आयोजन करें। • श्लोक गायन प्रतियोगिता का आयोजन करें। • अन्य सुभाषितों का संकलन कीजिये।	• सुभाषित का महत्व बता पा रहें हैं। • जीवन मे सुभाषितो की उपयोगिता बता पा रहें है। • श्लोकों का सस्वर गायन कर पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• एन.सी.सी., एन.एस.एस. स्काउटगाइड का परिचय • जल सेना, थल सेना, वायुसेना का परिचय • व्याकरण (लट्-लोट्लकार, क्त्वा प्रत्यय, सन्धि का ज्ञान)	नवदशः पाठः देशहिताय	कक्षा में विद्यार्थियों से निम्नांकित प्रश्न पूछते हुए प्रस्तावना कर सकते हैं – • हमारे देश का नाम क्या है? • हमारे देश की रक्षा कौन करता है? • हमारे देश में कितने प्रकार की सेनाऐं हैं? • सर्वप्रथम शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे तदन्तर पाठ आधारित नामों के आधार पर छात्रों को नाम अनुसार संवाद पढ़ने के लिए निर्देशित करेंगे। छात्रों द्वारा अनु 'वाचन' करायेंगे। • शिक्षक पंक्तिशः अर्थ करते हुए छात्रों को उनके द्वारा पठित शब्दों के अर्थ का आशय समझायेंगे।	• भारतीय तीनों सेनाओं के चित्र। • एन.सी.सी. का चित्र। • एन.एस.एस. का चित्र। • यदि संभव हो तो दृश्य सामग्री का उपयोग भी करें। (सेनाओं के वीडियो भी दिखा सकते हैं।)

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• राष्ट्रीय भावना से परिचित होना। • सेना के कार्यों एवं कठिन श्रम साध्य देश सुरक्षा के विषय में जानना। • एन.सी.सी. (राष्ट्रीय छात्र सेना) के महत्व को समझना। • देश के प्रति स्वयं के कर्त्तव्य को जानना। • लट्, लोट् लकार के रूप को जानना। • क्त्वा प्रत्यय के प्रयोग को जानना।	1. देशः कस्य तुल्यः अस्ति? 2. 'शन्नोवरुणः' इति कस्याः ध्येयवाक्यम् अस्ति? 3. सेनायाः त्रिविध-प्रकाराः के सन्ति? 4. छात्र-जीवने देशसेवायाः मार्गो कौ स्तः? 5. कृत्वा इत्यत्र कः प्रत्ययः?	• छात्रों के उत्साह को ध्यान में रखते हुए देश हित के लिए क्या- क्या करना चाहिए सूची बनाइये। • सेना में सम्मिलित होने के लिए क्या तैयारी होती है। किसी से जानकारी प्राप्त करें।	• राष्ट्रीय भावना से परिचित हो पा रहे हैं। • सेना के कार्यों एवं कठिन श्रम से प्राप्त देश सुरक्षा के विषय में जान पा रहे हैं। • एन.सी.सी. (राष्ट्रीय छात्र सेना) के महत्व को समझ पा रहे हैं। • देश के प्रति स्वयं के कर्त्तव्य को जान पा रहे हैं। • लट्, लोट् लकार के रूपों प्रयोग कर पा रहे हैं। • क्त्वा प्रत्यय के प्रयोग कर पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• योग प्रवर्तक पतंजलि पर चर्चा • योगविज्ञान का महत्व • योग का प्रायोगिक ज्ञान। • निबंध रचना।	विंशः पाठः योगः स्वा-स्थ्यस्य साधनम्	• शरीर को स्वस्थ रखने के लिये हमें क्या करना चाहिये? • योग शब्द का अर्थ क्या है? उपर्युक्त प्रश्नों के माध्यम से प्रस्तावना कर सकते हैं। • पाठ का आदर्श वाचन एवं छात्रों से उच्चारण करने को कहेंगे। • शिक्षक कक्षा में पाठोक्त दो-दो छात्रों को नामांकित करके पाठ वाचन संवाद रूप में करवायेंगे। • योग के महत्व एवं उसकी जीवन में उपयोगिता के विषय पर छात्रों से चर्चा करेंगे। • छात्रों को योग विज्ञान के महत्व के बारे समझायेंगे।	• योग करते हुए व्यक्ति का चित्र। • योग से सम्बन्धित आसनों के चित्र। • सूर्य नमस्कार के चित्र। • योग के प्रकारों का चार्ट।
• सूक्ति का अर्थ एवं महत्व। • सुष्ठु-उक्ति, अच्छे वचनों का संग्रह • अनुभव जन्य ज्ञान। • अन्य सूक्तियों का संकलन।	एकविंशः पाठः सूक्तयः	प्रस्तावना में निम्न प्रकार पुछते हुए पाठ का विस्तार कर सकते हैं- • पुस्तकों से हमें क्या प्राप्त होता है? • ज्ञान हमें और किस-किस माध्यम से प्राप्त होता है? • अच्छी बातों को हम संस्कृत में किस माध्यम से सीख सकते हैं? • शिक्षक कक्षा में सूक्तियों का पाठ करेंगे, छात्र पुनरुच्चारण करेंगे। महापुरुषों की जीवनियाँ सुनना और उसमें से उनके कहे हुए महावाक्यों (सूक्तियों) का आशय स्पष्ट करना • छात्रों को उदाहरण प्रस्तुत कर सूक्तियों के अर्थ समझाना। • छात्रों से भी ऐसी ही सूक्तियों (लोकोक्तियों) को एक-एक कर सुनना।	• सूक्ति अर्थ को स्पष्ट करता हुआ चित्र। • 'आचारः परमो धर्मः' सूक्ति को चरितार्थ करता हुआ चित्र। • 'अति सर्वत्र वर्जयेत्' सूक्ति पर आधारित कोई कथा। • काठिन्य निवारणार्थ चार्ट का प्रयोग।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• योग प्रवर्तक पतंजलि के बारे में जानना। • योग विज्ञान की चिकित्सा पद्धति को जानना। • योग के जीवन में महत्व को समझना।	1. 'योग' शब्दस्य कः अर्थः? 2. योगप्रवर्तकः कः? 3. योगेन किं भवति? 4. 'योगः स्वास्थ्स्य साधनम्' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।	• शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कौन-कौन सी सावधानियाँ रखनी चाहिए? सूची बनाईये। • सूर्य नमस्कार की स्थितियों की सूची बनायें	• योग प्रवर्तक पतंजलि के नाम एवं परिचय के बारे में जान पा रहे हैं। • योग के जीवन में महत्व को जान पा रहे हैं। • निबंध रचना कर पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• महापुरुषों के द्वारा कहे हुए सुन्दर वचनों को जानना। • सूक्तियों के शब्दार्थ को जानना। • सूक्तियों की विशेषता के बारे में समझना। • अन्य विषयों से सूक्तियों को संग्रहीत करना।	• कः परमो धर्मः? • किं सर्वत्र वर्जयेत्? • संसर्गजाः के भवन्ति? • 'सूक्तिः' इति पदस्य कोऽर्थः?	• अन्य भाषाओं की सूक्तियों की सूची बनाईए। • संस्कृत सूक्तियों का संग्रह कीजिए।	• महापुरुषों के वचनों का जान पाना। • सूक्तियों के शब्दार्थ को जान पा रहे हैं। • सूक्तियों की विशेषता के बारे में समझ पा रहे हैं। • सूक्तियों को संग्रहीत कर पा रहे है।

लर्निंग आउटकम्स

1. संस्कृत के वाक्यों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ते हैं।
2. प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में देते हैं।
3. संस्कृत शब्दों के अर्थ बताते हैं।
4. संस्कृत के गद्यों एवं पद्यों का शुद्ध लेखन करते हैं।
5. विशेषण, विशेष्य, अव्यय, प्रत्यय, उपसर्ग आदि से वाक्य बनाते हैं।
6. संस्कृत संख्याओं का प्रयोग करते हैं।
7. दिये गये विषय पर संस्कृत में वाक्य लिखते हैं।
8. संधि के भेदों की पहचान और संधि के पदों का विच्छेद करते हैं।
9. शब्द रूपों को विभिन्न विभक्तियों में लिखते हैं।
10. धातु रूपों को विभिन्न लकारों में बदलते हैं।
11. कारकों की पहचान करते हैं।
12. दिये गये शब्दों पर आधारित आवेदन पत्र लिखते हैं।

(8)

प्रथमः पाठः
चत्वारिधामानि

- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–

  1. ....
  2. ....

- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–

  1. ....
  2. ....

- ❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- ❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम ....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम ....

द्वितीयः पाठः
कालबोधः

- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–

  1. ....
  2. ....

- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–

  1. ....
  2. ....

- ❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- ❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम ....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम ....

तृतीयः पाठः
बलाद् बुद्धिर्विशिष्यते

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

चतुर्थः पाठः
चाणक्यवचनानि

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पच्चमः पाठः
रक्षाबन्धनम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

षष्ठः पाठः
प्रयत्नो विधेयः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

सप्तमः पाठः
भोपालनगरम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

अष्टमः पाठः
गुरुगोविन्दसिंहः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

नवमः पाठः
ग्रामजीवनम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

दशमः पाठः
महर्षिः पाणिनिः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

एकादशः पाठः
अमरवाणीसंस्कृतभाषा

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

द्वादशः पाठः
प्रहेलिका

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

त्रयोदशः पाठः
सौरमण्डलम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

चतुर्दशः पाठः
लोकमान्यतिलकः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पञ्चदशः पाठः
मत्स्यत्रय कथा

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

षोडशः पाठः
प्राचीनभारतीयवैज्ञानिकाः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

सप्तदशः पाठः
राज्ञी दुर्गावती

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

अष्टादशः पाठः
सुभाषितानि

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

नवदशः पाठः
देशहिताय

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

विंशःपाठः
योगः स्वास्थस्य साधनम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

एकविंशः पाठः
सूक्तयः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

(9)

कक्षा 8 के लिए

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• लोकहित के कार्यों एवं उसके महत्व पर चर्चा। • सस्वर गायन, • सस्वर अनुगायन • अन्य संस्कृत गीतों का सस्वर गायन।	प्रथमः पाठः लोकहितं मम करणीयम्	• गीत, चित्र, प्रत्यक्ष वस्तु के द्वारा लोकहित के कार्यों के बारे में बताते हुए प्रस्तावना कर सकते हैं, जैसे- गाय, वृक्ष, सूर्य, सैनिक आदि। • गीत का सस्वर आरोह अवरोह के साथ गायन एवं अनुगायन तथा भावार्थ करेंगे। परोपकार के कार्यों पर चर्चा, वृक्ष परोपकार के लिए फल देते हैं, सूर्य लोकहित के लिए तपता है इस प्रकार हमें भी लोगों के हित के लिए कार्य करना चाहिए आदि बातों को स्पष्ट करते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	• परोपकार की भावना को प्रदर्शित करने वाले चित्र जैसे - सूर्य, वृक्ष, नदी आदि
• प्राचीन भारती वैज्ञानिकों पर चर्चा। • वराहमिहिर के कार्य एवं नक्षत्र गणना पर चर्चा। • वैद्यशाला का परिचय • 21 से 50	द्वितीयः पाठः कालज्ञो वराह मिहिरः	• सौरमण्डल का चित्र प्रदर्शित कर छात्रों से सूर्य के प्रकाश एवं ज्योतिष विद्या पर चर्चा करते हुए प्रश्न पूछ सकते हैं, जैसे- प्रश्न- आप किन- किन भारतीय वैज्ञानिकों के नाम जानते हैं। • पाठ का आदर्श वाचन एवं अनुकरण वाचन के पश्चात्, कार्ड पर प्रश्न एवं उत्तर अलग- अलग लिखकर विद्यार्थियों को दो समूह में बाँटना	• वराहमिहिर का चित्र। • प्रश्नोत्तर कार्ड। • संख्याओं के कार्ड।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
6 काल खण्ड	• गीत का सस्वर गायन सीखना। • गीत में ताल, लय, गति को समझना। • लोकहित की श्रेष्ठ भावना को समझना।	1. कुत्र न शयनीयम्? 2. बन्धुजनाः कुत्र स्थिताः? 3. किं न गणनीयम्?	• यदि कोई वृद्ध या असहाय व्यक्ति है तो उनकी सहायता करें। घर का सामान लाने में, दवा लाने, अस्पताल पहुंचाने में उनकी मदद करें। • आपके द्वारा घर में कौन-कौन से कार्य किये जाते हैं, सूची बनाएं। • शाला में यदि कोई दिव्यांग छात्र/छात्रा है तो उसकी मदद करें। • पर्यावरण भी लोकहित है ऐसा समझाकर वृक्ष लगाने हेतु प्रेरित करें।	• गीत का सस्वर गायन सीख पा रहे हैं। • गीत में ताल, लय, गति को समझ पा रहे हैं। • लोकहित की श्रेष्ठ भावना को समझ पा रहे हैं। • परोपकार के कार्य कर पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• काल गणना के विषय में जानना। • आचार्य वराहमिहिर के बारे में समझना। • नक्षत्रों के बारे में जानना।	• वराहमिहिरः कः आसीत्? • कः सूर्यस्य प्रकाशेन प्रकाशते? • वराहमिहिरस्य पितुः नाम किम् आसीत्?	• आँगन में एक डंडी सीधी खड़ी करें अब सूर्योदय से दोपहर तक के समय को उसकी छाया के आधार पर लिखें। • घर में उपलब्ध	• काल गणना के विषय में समझ पा रहे हैं। • आचार्य वराहमिहिर के बारे में जान पा रहे हैं। • नक्षत्रों के बारे में जान पा

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
तक की संख्याओं का ज्ञान।		फिर प्रश्न पूछकर उत्तर खोजने के लिए प्रेरित करना। • संस्कृत संख्याओं की पुनरावृत्ति (पिछली कक्षाओं के आधार पर) प्रश्न पूछते हुए 21 से 50 तक संख्याओं को छात्रों को गणना करते हुए समझाना।	
• भारत के प्रमुख राष्ट्रीय पर्वों पर चर्चा। • गणतंत्र दिवस का महत्व • राष्ट्र भक्तिमय गीतों का सस्वर गायन।	तृतीयः पाठः गणतन्त्र दिवसः	• विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से प्रस्तावना कर सकते हैं, जैसे – • भारत के प्रमुख राष्ट्रीय पर्व कौन–कौन से हैं? • गणतंत्र दिवस कब मनाया जाता है? • 26 जनवरी के रूप में गणतंत्र दिवस की क्या विशेषता है? • देश भक्ति गीत गाकर छात्रों से प्रश्न करना। • पाठ का आदर्श एवं अनुकरण वाचन के पश्चात गणतंत्र दिवस कब और क्यों मनाते हैं आदि पर विद्यार्थियों के विचार जानना। • राष्ट्रहित–देशहित की भावना से ओत–प्रोत कुछ रोचक प्रसंग सुनाना। • बच्चों से राष्ट्रीय पर्वों पर भाषण करवाना। • राष्ट्रीय पर्व के महत्व को विद्यार्थियों से पूछना। • राष्ट्रध्वज पर छात्रों से चर्चा करते हुए पाठ को आगे बढ़ाना।	• गणतंत्र दिवस समारोह का चित्र। • राष्ट्र नायकों के चित्रों से युक्त चार्ट।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	• वैद्यशाला के विषय में जानना। • 21 से 50 तक की संस्कृत संख्याओं को जानना।		मूँगफली या चना, मक्का इत्यादि से संस्कृत संख्या गणना करना एवं अंकों को शब्दों में लिखें।	रहे हैं। • वैद्यशाला के विषय में जान पा रहे हैं। • 21 से 50 तक की संख्या का प्रयोग कर पा रहे है।
8 काल खण्ड	• प्रमुख राष्ट्रीय पर्वों के बारे में समझना • प्रमुख राष्ट्रीय पर्वों के महत्व को जानना। • गणतंत्र दिवस के महत्व को समझना। • देश के बलिदानियों एवं उनकी देश भक्ति को समझना।	• जेट विमानानि किं निस्सारयन्ति? • भारतस्य राष्ट्रीय पर्वणी के? • कस्मिन् मासे गणतन्त्रदिवसः भवति?	• अपने साथियों के साथ कदमताल का अभ्यास करना। • सामूहिक रूप में देशभक्ति गीतों का अभ्यास करना। • देशभक्ति के प्रेरक प्रसंग पढ़ना। • राष्ट्रभक्ति गीतों का संकलन करना। • राष्ट्रनायकों की वेषभूषा धारण करके उनके संवाद बोलना।	• प्रमुख राष्ट्रीय पर्वों के बारे में बता पा रहे हैं। • गणतंत्र दिवस के महत्व को जान पा रहे हैं। • राष्ट्रभक्ति गीतों को गा पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• नीतिश्लोक से आशय • जीवन में महत्व • सस्वर गायन • अनुगायन • अन्वय • नीतिश्लोकों पर आधारित अन्त्याक्षरी • नीतिश्लोकों के रचयिताओं के नाम	चतुर्थः पाठः नीतिश्लोकाः	•प्रस्तावना को प्रश्नों के माध्यम से कर सकते हैं, जैसे – • समाज में कितने प्रकार की नीतियाँ होती हैं? • 'राजनीति' से क्या आशय है? • नीतिश्लोकों से आप क्या समझते हैं। • श्लोकों का आरोह-अवरोह के साथ गायन एवं अनुगायन के पश्चात् श्लोकों का अन्वय एवं शब्दार्थों को स्पष्ट करते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	• स्फोरक पत्र • नीति को स्पष्ट करता हुआ चित्र। • श्लोक में जिस नीति को बताया गया हो, उसके भावार्थ को स्पष्ट करता हुआ श्लोक पत्र
• आत्मकथा शैली का सामान्य परिचय • मध्यप्रदेश के मानचित्र पर ऐतिहासिक नगरों का निरूपण एवं चर्चा • ओरछा के स्थलों की जानकारी • ओरछा के इतिहास का ज्ञान। • कारक एवं उनका प्रयोग।	पञ्चमः पाठः अहम् ओरछा अस्मि	प्रस्तावना में विद्यार्थियों को प्रदेश के प्रमुख ऐतिहासिक नगरों के बारे में जानकारी देते हुए ओरछा नगर की चर्चा के साथ पाठ का आरंभ कर सकते हैं। • स्वयं का परिचय देना, पाठ का स्पष्ट वाचन, अनुवाचन, मानचित्र प्रदर्शन, ऐतिहासिक नगरों की पहचान, पाठ में प्रयुक्त वाक्यों द्वारा कारक को स्पष्ट करना तथा उनका प्रयोग सिखाना जैसे- माम् परितः सघनं वनम् अस्ति।	• प्रदेश का मानचित्र • बेतवा नदी एवं रामराजा मन्दिर का चित्र। • ओरछा के महलों के चित्र • हिन्दी के कवि केशवदास का चित्र

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• श्लोक का गायन करना • नीति श्लोकों के माध्यम से नीतियों को समझना • समाज, राष्ट्र आदि के विकास हेतु समुचित नीतियों के प्रयोग को समझना।	• शिला कुत्र आरोप्यते? • शंकरभूषणम् किम्? • मित्रं कदा जानीयात्?	• संस्कृत शब्दों पर आधारित श्लोक अंताक्षरी करना। • आस-पास के बच्चों के साथ संस्कृत शब्दों को बोलने का अभ्यास करना।	• पद्यों का गायन कर पा रहे हैं। • प्रश्नों के उत्तर दे पा रहे हैं। • नीति श्लोकों के माध्यम से नीतियों को समझ पा रहे हैं। • समाज, राष्ट्र आदि के विकास हेतु समुचित नीतियों के प्रयोग को समझ पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• संस्कृत में स्वयं का परिचय दे पाना। • मानचित्र में ऐतिहासिक नगरों को खोजना। • कारक को पहचानकर उनका प्रयोग करना। • संस्कृत में लघु एवं सरल वाक्यों का निर्माण करना।	• हरदौलः कः आसीत्? •सप्तधारा कुत्र अस्ति? •वने के निर्भयाः विचरन्ति?	• परिवार के बड़े सदस्यों से ओरछा के बारे में जानकारी प्राप्त कर लिखें। • संस्कृत में परस्पर वार्तालाप का अभ्यास करें।	• स्पष्ट उच्चारण कर पा रहे हैं। • प्रश्नों के उत्तर दे पा रहे हैं। • कारकों की पहचान कर पा रहे हैं। • संस्कृत में छोटे-छोटे वाक्य पढ़ पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• स्वामी विवेकानन्द सहित आधुनिक भारत के प्रमुख व्यक्तियों के विषय में चर्चा • देश व समाज पर उनका प्रभाव • स्वामी विवेकानन्द के साहित्य का अध्ययन। • स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों का ज्ञान।	षष्ठः पाठः स्वामीविवेकानन्द :	प्रस्तावना को निम्नांकित प्रश्नों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे – • दिन और रात को कौन विभाजित करता है? • 'सूर्य' से जुड़ी हुई, कौन सी गतिविधि हम विद्यालय में करते हैं? • मध्यप्रदेश में सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' किस महापुरुष की जयन्ती को किया जाता है। • स्वामी विवेकानंद के बारे में आप क्या जानते हैं? • पाठ का स्पष्ट वाचन एवं अनुवाचन के पश्चात स्वामी विवेकानन्द के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करना। • भारत के प्रमुख व्यक्तियों के जीवन के बारे में जानकारी देते हुए उनके आदर्शों को जीवन में उतारने को लिए प्रेरित करना।	• स्वामी विवेकानन्द का चित्र। • महापुरुषों के चित्र।
• 'एकता ही बल है' विषय पर चर्चा, • ऐक्यमूलक अन्य कथाओं का संकलन। • अव्ययों की पहचान एवं प्रयोग	सप्तमः पाठः ऐक्यबलम्	प्रस्तावना में हाथ की मुट्ठी बंद करके बताना, लकड़ी के गट्ठर को एक साथ तोड़ने का प्रयास करना, कहानी सुनाकर एकता के बारे में चर्चा करना आदि गतिविधियाँ करवाई जा सकती है। • शरीर से एकता का बोध होता है। बहुत सारे तिनकों से रस्सी बनती है, बहुत से लिखित पन्नों से पुस्तक बनती है। एक-एक बूँद से घड़ा भरता है के माध्यम से पाठ का विस्तार करेंगे। • पाठ में आए हुए अव्ययों की पहचान करवाना।	• घांस के तिनके • पानी और घड़ा। • लकड़ी के गट्ठर के चित्र। • प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए पतली लकड़ियों को इकट्ठा करके ऐक्यबल को दिखाना।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
10 काल खण्ड	• 'उठो! जागो! लक्ष्य प्राप्ति तक रुको नहीं' के सन्देश को समझना। • विवेकानन्द के संदेश एवं दर्शन को समझना। • विवेकानन्द के विषय में जानना।	• 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' इत्यस्मिन् कार्ये कः संलग्नः? • जीवनस्यार्थः किं अस्ति? • किं धारयत?	• स्वामी विवेकानन्द संबंधी साहित्य की सूची बनाएं। • स्वामी विवेकानन्द से संबंधित संस्थानों के विषय में परिवार के सदस्यों से चर्चा कर लिखें।	• स्वामी विवेकानन्द के बारे में बता पा रहे हैं। • स्वामी विवेकानन्द के साहित्य का अध्ययन कर पा रहे हैं। • 'उठो! जागो! लक्ष्य प्राप्ति तक रुको नहीं' के सन्देश को समझ पा रहे हैं।
10 काल खण्ड	• एकता के बल को समझना। • एकता से सम्बन्धित अन्य कहानियों का सुनाना। • अव्ययों की पहचान करना एवं वाक्य में प्रयोग करना।	• निम्बवृक्षः कुत्र आसीत्? • मृतं गतं च न चिन्तयति सः कः? • काष्ठ भेदकः काम् आनीतवान्?	• एकता के विषय में पाँच वाक्य लिखें। • पाठ में आए जीवों के नाम एवं परस्पर सम्बन्ध बताने के लिए बच्चों को चिड़िया, हाथी मेंढक, मक्खी बनाकर कहानी का रूपान्तरण करना। • अव्ययों की सूची तैयार करना।	• एकता के बारे में छात्र जान पा रहे हैं। • एक होकर कोई भी कठिन कार्य सरल हो जाता है। यह जान पा रहे हैं। • अव्यय की पहचान करके वाक्यों में प्रयोग कर पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• महाभारत पर सामान्य चर्चा • यक्ष प्रश्न से अभिप्राय • श्लोकों का सस्वर गायन • अन्वय • महाभारत की अन्य शिक्षाप्रद कथाओं का संकलन एवं अध्ययन।	अष्टमः पाठः यक्षप्रश्नाः	पाठ के आरंभ में प्रस्तावना के रूप में निम्नांकित प्रश्नों को पूछा जा सकता है – • भगवान् श्रीकृष्ण और अर्जुन का संवाद किस ग्रन्थ में है? • श्रीमद् भगवद्गीता का संबंध किस ग्रंथ से है? • 'महाभारत' के विषय में आप क्या जानते हैं? • श्लोक गायन एवं अनुगायन करवाना महाभारत के कुछ प्रसंग सुनाना एवं पाण्डवों के बारे में बताना। यक्ष द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर, अन्त में युधिष्ठिर के दिए उत्तर से संतुष्ट यक्ष ने सभी को जीवन दान दिया यह बताना। • कहानी की प्रासंगिकता का छात्रों का अभिमत जानना एवं उसको स्पष्ट रूप से समझना।	• महाभारत ग्रंथ से संबंधित चित्र यथा – अर्जुन, कृष्ण, युधिष्ठिर, यक्ष
• प्रमुख भारतीय उत्सवों पर चर्चा। • ऋतुओं पर चर्चा। • हमारे जीवन पर उत्सवों का प्रभाव। • वसन्तोत्सव आयोजन के विविध स्वरूप का ज्ञान।	नवमः पाठः वसन्तोत्सवः	विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से प्रस्तावना कर सकते हैं, जैसे – • हमारे देश में कितनी ऋतुएँ होती हैं? • 'बसन्त ऋतु' की क्या विशेषता है? • कक्षा में विद्यार्थियों को आम का पेड़ या चित्र दिखाकर समझाना कि नए पत्ते, बौर, फल, बसन्त ऋतु में आते हैं, सरस्वती देवी की मूर्ति दिखाकर छात्रों को समझाना कि सरस्वती देवी की पूजा बसन्त पंचमी को होती है। इस प्रकार पाठ का आदर्श वाचन करना और अनुवाचन करवाना। • बसन्त की विशेषताओं के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा करना।	• बसन्त ऋतु आधारित चार्ट (जिसमें बसन्त के विविध रूपों को प्रदर्शित किया गया हो।) • सरस्वती जी का चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
10 काल खण्ड	• श्लोक गायन करना। • महाभारत से संबंधित प्रसंग को समझना। • पाण्डवों और कौरवों के बारे में जानना। • यक्ष द्वारा पूछे गए प्रश्नों को समझना। • कथा के तात्पर्य को समझना।	• यथा कुन्ती तथा का? • पाण्डवाः कुत्र विचरन्तः आसन्? • मार्गे द्रोपदी किम् अयाचत्?	• एक बालक को यक्ष एवं पाँच अन्य बालकों को पाण्डव बनाकर यक्ष प्रश्नों को प्रस्तुत करना। • नाटक के माध्यम से यक्ष प्रश्ना का संदेश समाज में पहुँचाना। • घर पर यक्ष प्रश्नों के बारे में चर्चा करना।	• श्लोक गायन कर पा रहे हैं। • महाभारत के प्रसंग समझ पा रहे हैं। • यक्ष द्वारा पूछे गये प्रश्नों को समझ कर उत्तर दे पा रहे हैं। • कथा के तात्पर्य को समझ पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• प्रमुख भारतीय उत्सवों के बारे में जानना। • बसन्त ऋतु एवं बसन्त उत्सव के बारे में जानना। • बसन्त ऋतु में मनोरम प्राकृतिक स्वरूप को समझना। • 'ऋतुओं का हमारे जीवन पर प्रभाव' को जानना। • प्रकृति संरक्षण के महत्व को जानना।	• वसन्तोत्सवे कस्याः पूजनं भवति? • वसन्तपंचम्याः अपरं नाम किम्?	• स्थान उपलब्ध होने पर आम की गुठली मिट्टी में दबा दें थोड़ा पानी प्रतिदिन डालें और गुठली से पौधे को आता हुआ देखें व उसकी देखभाल करें। • घर में फलदार वृक्ष लगायें। • अपने आस-पास सुन्दर फूलों एवं फल, औषधीय वृक्षों को लगायें। • पहले लगे हुए पेड़- पौधों की देखभाल करना।	• प्रमुख भारतीय उत्सवों के बारे में जान पा रहे हैं? • बसन्त ऋतु एवं बसन्त उत्सव के बारे में जान पा रहे हैं? • बसन्त ऋतु में मनोरम प्राकृतिक स्वरूप को समझ पा रहे हैं। • 'ऋतुओं का हमारे जीवन पर प्रभाव' को जान पा रहे हैं। • प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझ पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• देश के प्रमुख स्वाधीनता सेनानियों पर चर्चा • चन्द्रशेखर आजाद का देश की स्वतंत्रता में योगदान संबंधी विमर्श • चन्द्रशेखर आजाद के जीवन वृत्त का संकलन एवं अध्ययन • प्रत्यय परिचय।	दशमः पाठः आजाद चन्द्रशेखर :	प्रस्तावना में निम्नांकित प्रश्न किए जा सकते हैं, जैसे – • हमारा देश कब स्वतंत्र हुआ। • देश की स्वतंत्रता के लिए किन-किन महापुरुषों ने योगदान दिया। • 23 जुलाई को किस स्वतंत्रा संग्राम सेनानी की जयंती मनाई जाती है। • स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का चित्र लगा हुआ चार्ट जिसमें लक्ष्मीबाई, तात्याटोपे, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चन्द्रशेखर द्वारा देश की आजादी के लिए किए गए कार्यों का वर्णन किया गया हो को कक्षा में प्रदर्शित करते हुए विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे। • चन्द्रशेखर का जीवन परिचय एवं पारिवारिक पृष्ठ भूमि पर चर्चा करते हुए पाठ का विस्तार करना।	• स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्र • प्रत्यय एवं उनके अर्थ वाले स्फोरक पत्र
• सुभाषित का अर्थ एवं जीवन में महत्व • सस्वर गायन • अनुगायन • अन्वय • अन्य सुभाषितों का संकलन • श्लोक अन्त्याक्षरी	एकादशः पाठः सुभाषिताि न	प्रस्तावना में पूर्व कक्षाओं के श्लोक का वाचन कर प्रश्न किए जा सकते हैं, जैसे – विद्या विवादाय धनं मदाय, शक्तिः परेषां परपीडनाय। खलस्य साधोः विपरीतमेतत्, ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।। 1. विद्या किमर्थं भवति? 2. धनं किमर्थं अर्जनीयम्? 3. शक्तिः किमर्थं अर्जनीया? 4. 'सुभाषित' इति पदस्यकोऽर्थः? पाठ में दिये गए श्लोकों का आदर्श वाचन के रूप में सस्वर गायन। • विद्यार्थियों द्वारा अनुगायन • कक्षा में किसी एक छात्र से श्लोक का वाचन करवाना अन्य छात्रों द्वारा उनका अनुसरण करते हुए श्लोकों का पाठ करना।	• सुभाषित के अन्वय एवं शब्दार्थ का चार्ट

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
10 काल खण्ड	• स्वाधीनता के बारे में जानना। • देश के लिए स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को समझना। • चन्द्रशेखर आजाद के जीवन व उनके योगदान के बारे में जानना। • प्रत्ययों की पहचान करना।	• जुलाईमासस्य त्रयोविंशतिदिनांकः किमर्थं प्रसिद्धः? • न्यायालये किं जातम्?	• स्वतंत्रता से सम्बन्धित पुस्तकों को पढ़ कर जानकारी एकत्रित करें। • मित्रों से परस्पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के विषय में चर्चा करें। • घर परिवार के सदस्यों से चर्चा कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की सूची बनाना एवं उनके विषय में मुख्य बिन्दुओं को लिखना।	• स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में जान पा रहे हैं। • चन्द्र शेखर आजाद के जीवन व उनके योगदान को समझ पा रहे हैं। • प्रत्यय पहचान कर पा रहे हैं। • प्रत्यय का प्रयोग कर पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• सस्वर गायन एवं अन्वय जानना। • लय, गति, को जानना। • शब्दों के अर्थ समझना। • सुभाषित में निहित शिक्षा को समझना।	1. सम्पत्तौ विपत्तौ च केषाम् एकरूपता? 4. 'वृक्ष' शब्दस्य पर्यायवाची शब्दः कः?	• सुभाषित का गायन घर में करना। • परिवार के छोटे भाई-बहनों को अभ्यास कराना। • पुस्तकों में से अन्य सुभाषितों को ढूँढ कर लिखना।	• सस्वर गायन कर पा रहे हैं। • लय, गति को समझ पा रहे हैं। • शब्दों के अर्थ जान पा रहे हैं। • शुद्ध उच्चारण कर पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• मध्यप्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों के विषय में चर्चा • रामायणादि ग्रन्थों में चित्रकूट के वर्णन की चर्चा • मध्यप्रदेश के मानचित्र पर चित्रकूट सहित प्रमुख तीर्थ स्थलों का निरूपण। • सन्धि परिचय।	द्वादशः पाठः चित्रकूटम्	प्रस्तावना में निम्नांकित प्रश्न पूछे जा सकते है– 1. भारत में प्रमुख धार्मिक स्थल कौन–कौन से हैं? 2. 'चित्रकूट' किस राज्य में स्थित है? 3. चित्रकूट का वर्णन किस ग्रन्थ में मिलता है। 4. 'चित्रकूट' से कौन सी नदी है? • शिक्षक द्वारा पाठ का आदर्श वाचन करने के उपरान्त किसी एक छात्र द्वारा वाचन करा कर, अन्य छात्रों को अनुवाचन के लिए प्रोत्साहित करेंगे।	1. वृक्षों से युक्त पर्वत श्रृंखला के चित्र 2. चित्रकूट से सम्बंधित रामघाट, जानकीकुण्ड, अनुसूयाश्रम आदि के चित्र।
• शिवाजी एवं उनके गुरु श्री रामदास विषयक चर्चा। • शिवाजी के चरित्र निर्माण में गुरु रामदास की भूमिका • शिवाजी के जीवनवृत्त का अध्ययन। • समास परिचय	त्रयोदशः पाठः आचार्योपदेशः	पाठ के आरम्भ में विभिन्न प्रश्न पूछे जा सकते हैं, जैसे– 1.हमारे देश में कौन–कौन महापुरुष हुए हैं? 2. शिवाजी कहाँ के राजा थे? 3. शिवाजी के गुरु का नाम क्या था? • आदर्श वाचन के पश्चात् कक्षा में नाटक (नाट्य विधि) के माध्यम से पाठ में आये नामों अनुसार विद्यार्थियों को पात्र बनवाकर पाठ में उल्लेखित संवाद को अभिनय के साथ करवाते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	• छत्रपति शिवाजी एवं गुरु रामदास का चित्र। • समास परिचय हेतु चार्ट ।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
10 काल खण्ड	• गद्य वाचन को सिखना • अल्पविराम, पूर्ण विराम के प्रयोग को समझना। • कठिन शब्दों के अर्थ को सहजता से समझना। • संधि के नियमों को जानना।	1. चित्रकूटं कस्मिन् मण्डले अस्ति? 2. चित्रकूट-पर्वतं कस्याः पर्वत शृंखलायाः अंगम्? 3. चित्रकूटे कः विश्व-विद्यालयः? 4. 'मण्डले' इत्यत्र का विभक्तिः? 5. 'रामायणादि' इत्यत्र कः सन्धिः?	• मित्रों से परस्पर चित्रकूट के विषय में चर्चा करना। • घर में अपने से बड़ों से चित्रकूट के विषय में और अधिक जानना। • चित्रकूट पर संक्षिप्त लेख लिखना।	• गद्य वाचन को सीख पा रहे हैं। • अल्पविराम, पूर्ण विराम के प्रयोग को समझ पा रहे हैं। • कठिन शब्दों के अर्थ समझ पा रहे हैं। • संधि के नियमों को जान पा रहे है।
10 काल खण्ड	• संवाद अनुसार संस्कृत में वाक्यों को बोलना। • संस्कृत नाटक के अभिनय को जानना। • व्यवहार में संस्कृत भाषा को बोलना। • समास के बारे में जानना। • समास विग्रह को सीखना।	1. पुष्पस्रजं कण्ठे कः समर्पयति? 2. 'सप्रश्रयम्' इति शब्दस्य कः अर्थः? 3. 'उन्मूल्य' इति पदस्य सन्धि-विच्छेदं कुरुत? 4. 'आचार्योपदेशः' इत्यत्र कः समासः?	1. छोटे-छोटे संवादों पर आधारित घर परिवार एवं आसपास के बच्चों के साथ अभिनय करना।	• संस्कृत में वाक्यों को पात्रों (नाटक के) के माध्यम से बोल पा रहे हैं। • पाठ के माध्यम से संस्कृत नाटक को करना सीख पा रहे हैं। • व्यवहार में संस्कृत भाषा को बोलना सीख पा रहे हैं। • समास के बारे में जान पा रहे हैं। • समास विग्रह कर पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• प्रमुख आधुनिक भारतीय नारियों की चर्चा। • देवी अहिल्या सम्बन्धी चर्चा। • पात्रानुसार वाचन।	चतुर्दशः पाठः देवी अहिल्या	प्रस्तावना का आरम्भ प्रश्नों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे- 1. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में किन-किन महापुरुषों का योगदान रहा? 2. महारानी लक्ष्मी बाई के समान अन्य कौन-कौन सी नारियों का योगदान भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध है? 3. देवी अहिल्या बाई के बारे में आप क्या जानते हैं? • महेश्वर घाट एवं राजवाड़ा का चित्र प्रदर्शित करते हुए मालवा क्षेत्र एवं देवी अहिल्या के बारे में बताना। • देवी अहिल्या बाई के जीवन वृत्त संबंधी चर्चा में, अहिल्या बाई की बहुमुखी प्रतिभा एवं धर्मपराणता तथा इतिहास की पृष्ठभूमि में उनके महत्व को बताते हुए पाठ को आगे बढ़ाना।	• राजवाड़ा का चित्र। • महेश्वर घाट का चित्र। • देश की प्रसिद्ध नारियों के चित्र।
• कूटश्लोक विषयक चर्चा • तात्पर्य एवं महत्व • अन्य संस्कृत पहेलियों एवं कूटश्लोकों का संकलन।	पञ्चदश : पाठः कूटश्लोकाः	• विद्यार्थियों को कोई भी पहेली सुनाकर पहेलियों के विषय में चर्चा करते हुए प्रस्तावना की जा सकती है। • विद्यार्थियों को दो समूहों अथवा चार समूहों में विभक्त करके पहेलियों की प्रतियोगिता करवा सकते है। • विद्यार्थियों को पहेलियों के बारे में बताने के पश्चात् संस्कृत में कूटश्लोकों को स्पष्ट करते हुए पाठ को आगे बढ़ाए।	• विभिन्न कूटश्लोकों पर आधारित चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• भारतीय ऐतिहासिक नारियों के बारे में जानना। • देवी अहिल्या के व्यक्तित्व के बारे में जानना। • नर्मदा के तट पर स्थित तीर्थ स्थलों के बारे में जानना।	1. प्राचीनकाले उज्जयिनी केन नाम्ना प्रसिद्धा? 2. देवी अहिल्यायाः जन्म कुत्र अभवत्?	• अन्य संवाद को प्रस्तुत करना। • घर से विद्यालय आते समय रास्तें में जो देखा उसे संस्कृत वाक्यों में लिखना। • मालवा क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करना। • अपनी माता के विषय में पाँच वाक्य लिखना। • 'भारतीय समाज में नारी का योगदान' विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखना।	• अहिल्याबाई के व्यक्तित्व के बारे में जान पा रहे हैं। • नर्मदातट पर स्थित तीर्थस्थलों के बारे में जान पा रहे हैं। • भारतीय ऐतिहासिक नारियों के बारे में जान पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• पहेलियों को संस्कृत में बोलना। • पहेलियों के गूढ़ रहस्यों को जानना।	1. करिणां कुलं को हन्ति? 2. शीतं कं न बाधते? 3. प्रहेलिकां श्रावयतु?	• "बालसभा" में पहेलियों को कहना • मित्रों के बीच खेल- खेल में कूट श्लोकों का प्रयोग करना। • घर परिवार से प्रचलित पहेलियों का संग्रह करना।	• पहेलियों को संस्कृत में बोल पा रहे हैं। • पहेलियों के गूढ़ रहस्यों को समझ पा रहे हैं। • अवसर अनुसार पहेलियों का प्रयोग कर पा रहे है।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• प्रमुख संस्कृत कवियों की चर्चा, • कालिदास पर विस्तृत चर्चा, • कालिदास के साहित्य का अध्ययन। • शब्द रूप।	षोडशः पाठः कवित्वं कालिदासस्य	1. संस्कृत के प्रसिद्ध कवि कौन-कौन से हैं? 2. कालिदास का सम्बन्ध किस प्रदेश से रहा है? 3. कालिदास के द्वारा लिखित ग्रन्थ कौन-कौन से हैं? • सर्वप्रथम छात्रों को कथा विधि द्वारा कालिदास के जीवन परिचय की कथा सुनाएंगे। • सभी छात्रों को कथा समझाने के पश्चात् पाठ आरम्भ करेंगे। • पाठ का आदर्श वाचन शिक्षक करेंगे, फिर छात्रों से पाठ का अनुवाचन करवायेंगे।	• कालिदास का चित्र • कालिदास की रचनाओं का चार्ट (खण्ड काव्य, महाकाव्य, नाटक)
• संस्कृत कथा साहित्य पर चर्चा, • विक्रम कथा पर चर्चा। • विक्रमादित्य से संबंधित घटनाओं पर चर्चा।	सप्तदशः पाठः सत्कर्म एव धर्मः	1. आपको क्या (कहानी, श्लोक, संवाद) पढ़ने में आनंद आता है। 2. कहानियों में कौन-कौन सी कहानियाँ आपने पढ़ी हैं? 3. विक्रमादित्य के विषय में आप क्या जानते है? • कथा विधि के माध्यम से क्रमशः छात्रों से प्रेरक कथाएं सुनाने को कहेंगे। • शिक्षक आदर्श वाचन करेंगे। फिर	• बेताल पच्चीसी कथा संस्करण से कथाओं का चार्ट। • बाल कथाओं से विक्रमादित्य के चित्र। • स्वयं के द्वारा बनाये गये कथा से

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
10 काल खण्ड	• कालिदास के बारे में जानना। • नाटक, खण्ड-काव्य, महाकाव्य के संबंध में जानना। • कालिदास की उपमा एवं उनके प्रयोग को समझना। • अकारान्त पुंल्लिंग आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों को समझना। • पठ्- धातु वर्तमान काल को जानना।	1. काव्येषु किं रम्यम्? 2. संस्कृतसाहित्यस्य सर्वश्रेष्ठः कविः कः? 3. कालिदासस्य विशेषता का?	• मित्रों के साथ "प्रश्नोत्तर विधि" का प्रयोग कर एक दूसरे से प्रश्न पूछे। • नाटक, खण्डकाव्य, महाकाव्य के विषय में लेखन करें। • कालीदास के किसी भी विषय के चित्रण का चित्र बनाकर लाना।	• महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व/ कृतित्व को जान पा रहे हैं। • नाटक, खण्डकाव्य, महाकाव्य के विषय में जान पा रहे हैं। • उपमा एवं शब्दों के प्रयोग को समझ पा रहे हैं। • अकारान्त पुंल्लिंग अकारान्त स्त्रीलिंग शब्द रूपों का प्रयोग कर पा रहे है। •पठ्-लट्लकार के धातु रूपों का प्रयोग कर पा रहे हैं।
10 काल खण्ड	• संस्कृत कथा साहित्य को जानना। • भारतवर्ष की प्राचीन सुशासन व्यवस्था से परिचित होना। • सदाचार के लिए प्रेरित होना। • "कर्म	1. कर्म-तपस्ययोः कः भेदः? 2. 'सत्कर्म एव धर्मः' कथायाः सारः कः?	• विद्यार्थियों द्वारा प्रेरक कहानियों का संकलन एवं विद्यार्थियों को सुनना। • कहानियों के सार को प्रायोजना के रूप में दो-दो पृष्ठों में संस्कृत भाषा में अनुवाद	• संस्कृत कथा साहित्य को जान पा रहे हैं। • भारत वर्ष की प्राचीन सुशासन व्यवस्था से परिचित हो पा रहे हैं। • सदाचार के लिए प्रेरित हो पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
		छात्रों से अनुवाचन करवायेंगे। • 'कहानियों के सार एवं शिक्षा छात्रों से संस्कृत में लिखवा सकते है।	संबंधित चित्र।
• स्वतंत्रता उपरान्त प्रसिद्ध भारतीय नारियों की चर्चा • इन्दिरा गांधी का जीवन परिचय एवं उनके चरित्र का अध्ययन । • स्वतंत्रता आन्दोलन में इन्दिरा गांधी का योगदान।	अष्टादशः पाठः प्रियदर्शिनी इन्दिरा	1. 'पुत्री के लिए पिता के पत्र' नामक पुस्तक किसने लिखी थी? 2. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे? 3. उनकी पुत्री का क्या नाम था? 4. 'वानर सेना' नामक संगठन किसने बनाया था? • उपर्युक्त प्रश्नों के द्वारा प्रस्तावना की जा सकती है। • पाठ का स्पष्ट वाचन, अनुवाचन इन्दिरा जी के जन्मस्थान माता-पिता, प्रारंभिक शिक्षा पर चर्चा उनका भारत के प्रधानमंत्री पद पर आसीन होना, बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में उनकी भूमिका भारत के उत्थान के लिए किए गए कार्यों आदि पर चर्चा करते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	• पं. जवाहरलाल नेहरु का चित्र। • इंदिरा गांधी का चित्र।
• भारतीय सामाजिक जीवन में मेलों/ बाजारों की उपयोगिता • पत्र विधा पर चर्चा • दैनिक उपयोगी वस्तुओं के	नवदशः पाठः हट्ट भ्रमणम्	1. सब्जी फल, अनाज आदि हम कहाँ से प्राप्त करते हैं? 2. ग्रामीण जन कहाँ पर मिलकर बातचीत करते हैं? 3. ग्रामीण जीवन में छोटे बाजार (हाट बाजार) का क्या महत्व है? आदि प्रश्नों से प्रस्तावना की जा सकती है। • पाठ का आदर्शवाचन करने के उपरान्त विद्यार्थियों से हाट बाजार में	• सब्जी एवं फल, अनाज, बेर, इमली, गन्ने, गुड़ आदि के चित्र। • हाट बाजार के चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	परायणता के प्रति सत्कर्म और स्वयं का कर्त्तव्य पालन ही धर्म है।" के सिद्धान्त को समझना।		करें। • सत्कर्म से संबंधित अन्य कथाओं की सूचि बनाओं।	• "कर्म परायणता के प्रति सत्कर्म और स्वयं का कर्त्तव्य पालन ही धर्म है", इस सिद्धान्त को समझ पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के बारे में जानना। • इंदिरा गांधी के जीवन के बारे में जानना। • पुत्री के लिए पिता का पत्र पुस्तक के बारे में जानना। • भारत की स्वतंत्रता में इन्दिरा के योगदान को	1. शक्तिस्थलम् कस्मिन् नगरे अस्ति? 2. 'वानरसेना' इति नाम्नी बालकानां संगटना केन कृता?	• भारत की स्वतंत्रता में योगदान देने वाले महापुरुषों की सूची बनाए।	• भारत के पूर्व प्रधानमंत्री के बारे में जान पा रहे हैं। • इंदिरा गांधी के जीवन के बारे में जान पा रहे हैं • 'पुत्री के लिए पिता का पत्र' पुस्तक के बारे में जान पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• सब्जियों, फलों, अनाज के महत्व को समझाना। • ग्रामीण जीवन के बारे में जानना। • गाँव में लगने वाले हाट/मेले	1. कस्मिन ग्रामे हृट्टः भवति? 2. पंचफलानां नामानि लिखत? 3. कस्य पत्रम् आगतम्?	• घर पर अपने नानाजी या दादाजी को पत्र लिख कर उसमें आप यहाँ लगने वाले साप्ताहिक हाट या मेले का वर्णन करें और उन्हें आने के लिए कहें।	• ग्रामीण जीवन के बारे में जान पा रहे हैं। • गाँव में लगने वाले हाट/मेले के बारे में बता पा रहे हैं। • धातु रूप समझ पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
संस्कृत नामों का संकलन • समीपस्थ बाजार मेले का वर्णन • धातु रूप।		मिलने वाली वस्तुओं एवं हाट बाजार के महत्व पर चर्चा करते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	
• मध्यप्रदेश की नदियों पर चर्चा, • नर्मदा का महत्व, • प्राकृतिक सौन्दर्य एवं नर्मदा तटीय प्रसिद्ध तीर्थस्थलों पर चर्चा • भारत के मानचित्र पर नर्मदा का आद्यन्त मार्ग निरूपण।	विंश: पाठ: नर्मदा	विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से पाठ की प्रस्तावना की जा सकती है, जैस- 1. भारत की प्रमुख नदियों के नाम बताईयें? 2. नर्मदा किस प्रदेश के लिए जीवनदायिनी है? 3. 'नर्मदा' का उद्गम स्थल कहाँ है? • नदी का चित्र प्रदर्शित कर मुख्य नदियों के नाम जैसे गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा आदि के बारे में चर्चा करते हुए नर्मदा के उद्गम स्थल तथा कहाँ जाकर समुद्र में मिलती है। मार्ग में नर्मदा नदी पर बने हुए बाँधों के नाम तथा उनसे होने वाले लाभों तथा नर्मदा तटीय तीर्थ स्थलों के बारे में चर्चा करते हुए पाठ का विस्तार करेंगे।	• नर्मदा नदी का चित्र। • नदियों को संरक्षण देने वाला चित्र। (जिसके माध्यम से नदी संरक्षण की बात सिखाई जा सके) • बांधों के चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
	में तथा वहाँ के जीवन को अनुभव करना। • धातु रूप समझ पाना। • पत्र विधा से परिचित होना।		• अपने साथियों के साथ मिलकर छोटी- छोटी दुकानें लगा कर हाट का स्वरूप दें और वहाँ के अनुभव को लिखे।	• धातु रूपों का प्रयोग कर पा रहे हैं। • पत्र विधा से परिचित हो पा रहे हैं। • पत्र लिख पा रहे हैं।
8 काल खण्ड	• नदियों के बारे में जानना। • गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा नदियों के बारे में जानना। • नर्मदा के उद्गम स्थल से होते हुए नर्मदा के समुद्र में मिलने तक मार्ग जानना। • बांधों एवं उनसे होने वाले लाभों के बारे में जानना। • नर्मदा के तटों पर स्थित तीर्थस्थल एवं शहरों के बारे में जानना।	1. नर्मदा कस्य नगर समीपे अरबसागरे विलीयते? 2. कस्याः नाम मेकलसुता?	आप जहां रहते हैं वहां कौन सी नदी बहती है? नदी में पानी है कि नहीं, वह कहाँ से निकलती है, कहाँ तक जाती है? नदी किनारों पर क्या-क्या है? नदी से हमें क्या लाभ हैं? इत्यादि विषयों पर "हमारी नदी" इस शीर्षक को लेकर प्रोजेक्ट तैयार करें।	• प्रमुख नदियों के बारे में बता पा रहे हैं। • नर्मदा नदी के आद्यान्त मार्ग का वर्णन कर पा रहे हैं। • नर्मदा तट पर बने बाँध एवं तीर्थ स्थलों के बारे में जान पा रहे हैं।

अवधारणा क्षेत्र	पाठ का नाम और क्रमांक	पेडागॉजिकल प्रक्रिया / गतिविधियाँ एवं प्रस्तावना	सुझावात्मक सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)
• सूक्ति का अर्थ एवं महत्व। • अन्य सूक्तियों का संकलन। • पत्र लेखन एवं निबन्ध रचना।	एकविंशः पाठः सूक्तयः	1. जीवन के लिये महत्वपूर्ण क्या है? 2. ज्ञान को किस प्रकार व्यक्ति अपने जीवन में उपस्थापित करता है? 3. कथाओं और पुस्तकों के अतिरिक्त भी कोई ऐसा माध्यम है जिससे हम संक्षेप में ही अनुभव सिद्ध ज्ञान प्राप्त कर सकें? उपर्युक्त प्रश्नों के माध्यम से प्रस्तावना की जा सकती है। • शिक्षक कक्षा में सूक्तियों का वाचन करेंगे। • छात्र अनुवाचन करेंगे। • प्रत्येक सूक्ति का छात्रों को उदाहरण सहित अर्थ बताना एवं छात्रों से सूक्तियों के अर्थ पर आधारित अनुभव एवं कथाओं को सुनते हुए पाठ का विस्तार करना।	• सूक्तियों का चार्ट। • सूक्ति अर्थ के आधार पर चित्र। • स्वमेव मृगेन्द्रता का चित्र।

अनुमानित समय (कालखण्ड)	लर्निंग इंडीकेटर	मूल्यांकन हेतु गतिविधियां एवं प्रश्न	आओ करके सीखें (घर में/खेल-खेल में)	लर्निंग आउटकम्स
8 काल खण्ड	• सूक्तियों को समझना। • अपने जीवन के लिये नीति निर्धारण करना। • सूक्तियों के शब्दार्थ को जानना। • सूक्तियों की विशेषता के बारे में समझना। • हिन्दी की सूक्तियों को संस्कृत में अनुवाद करना। • निबन्ध लेखन के बारे में जानना।	1. कः सर्वत्र पूज्यते? 2. कस्मात् परं सुखं नास्ति? 3. दुर्लभं वचः किम्? 4. 'क्रियासिद्धिः' इत्यस्य कोऽर्थः?	• घर परिवार में होने वाली अच्छी बातों को लिखें। • महापुरुषों द्वारा कही गई बातों को लिखें।	• सूक्तियों के अर्थ को समझ पा रहे हैं। • सूक्तियों के शब्दार्थ को जान पा रहे हैं। • सूक्तियों की विशेषता के बारे में समझ पा रहे हैं। • हिन्दी की सूक्तियों का संस्कृत में अनुवाद कर पा रहे हैं। • निबंध लेखन कर पा रहे हैं।

लर्निंग आउटकम्स

1. संस्कृत में लिखित/मुद्रित सामग्री को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ते हैं।
2. संस्कृत पद्यों का गायन करते हैं।
3. पद्यों व गद्यांशों का अर्थ बताते हैं।
4. प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में देते हैं।
5. संस्कृत संख्याओं का प्रयोग करते हैं।
6. निर्देशानुसार वाक्यों में लिंग, काल, वचन परिवर्तन करते हैं।
7. लकार एवं शब्द रूपों का प्रयोग करते हैं।
8. कारकों के प्रयोग से वाक्य बनाते हैं।
9. संधि विच्छेद एवं संधि करते है एवं नाम बताते हैं।
10. सामासिक शब्दों का विग्रह करते हैं।
11. दिये गये विषय पर संस्कृत मे वाक्य रचना करते हैं।
12. दिये गये शब्दों के आधार पर पत्र लिखते हैं।

(10)

प्रथमः पाठः
लोकहितं मम करणीयम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

द्वितीयः पाठः
कालज्ञो वराहमिहिरः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

तृतीयः पाठः
गणतन्त्रदिवसः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

चतुर्थः पाठः
नीतिश्लोकाः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

पञ्चमः पाठः
अहम् ओरछा अस्मि

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

षष्ठः पाठः
स्वामीविवेकानन्दः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

सप्तमः पाठः
ऐक्यबलम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

अष्टमः पाठः
यक्षप्रश्नाः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

नवमः पाठः
वसन्तोत्सवः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

दशमः पाठः
आजादचन्द्रशेखरः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

एकादशः पाठः
सुभाषितानि

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

द्वादशः पाठः
चित्रकूटम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

त्रयोदशः पाठः
आचार्योपदेशाः

- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ–
  1. ....
  2. ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. ....
  2. ....
- ❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- ❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम ....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम ....

चतुर्दशः पाठः
देवी अहिल्या

- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/गतिविधियाँ–
  1. ....
  2. ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. ....
  2. ....
- ❖ पाठ पढ़ाने की दिनांक ....
- ❖ पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- ❖ जन शिक्षक की टीप ....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम ....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम ....

पञ्चदशः पाठः
कूटश्लोकाः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

षोडशः पाठः
कवित्वं कालिदासस्य

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

सप्तदश: पाठ:
सत्कर्म एव धर्म:

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

अष्टादश: पाठ:
प्रियदर्शिनी इन्दिरा

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

नवदशः पाठः
हट्टभ्रमणम्

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

विंशः पाठः
नर्मदा

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

एकविंशः पाठः
सूक्तयः

- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई पैडागॉजिकल प्रक्रिया/ गतिविधियाँ–
  1. .....
  2. .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने के लिए उपयोग में लाई गई सहायक शिक्षण सामग्री (TLM)–
  1. .....
  2. .....
- पाठ पढ़ाने की दिनांक .....
- पाठ की अवधारणा विकसित करने की स्थिति 1. पूर्ण ☐ 2. अपूर्ण ☐
- जन शिक्षक की टीप .....

हस्ताक्षर
शिक्षिका / शिक्षक का नाम .....

हस्ताक्षर
जन शिक्षक का नाम .....

(8)

कक्षा अवलोकन हेतु मॉनीटरिंग

कक्षा शिक्षण प्रक्रिया का अवलोकन अकादमिक मानीटरिंग का केन्द्र बिन्दु है। विद्यालय में पहुँचकर कम से कम एक सत्र का पूर्ण अवलोकन करना अकादमिक मानीटरिंग को महत्वपूर्ण बना सकता है।

कक्षा के अवलोकन के दौरान मॉनीटर शिक्षक एवं विद्यार्थियों की भूमिका को शांतिपूर्वक समझें और निर्धारित प्रारूप में अपनी टीप अंकित करते जायें। अतः अवलोकन के समय अवलोकन प्रपत्र साथ रखना चाहिए। चूँकि इस प्रपत्र की एक प्रति विद्यालय में भी रखी जानी है अतः इसे दो प्रतियों मे तैयार करें। प्रपत्र की पूर्ति एक रस्म नहीं, मॉनिटरिंग का मुख्य कार्य है जो मॉनीटरकर्ता और शिक्षक के मध्य संवाद से ही बनता है।

इन विद्यालयों में सभी शिक्षक निरंतर अपनी कक्षा में कार्यरत रहते हैं। इस परिस्थिति में यदि संभव नहीं कि कक्षा कार्य के दौरान शिक्षक चर्चा के लिए समय निकाल सकें। मॉनीटर अवलोकन के निष्कर्ष अवलोकन पंजी में भी दर्ज करें।

कक्षा समय उपरान्त विद्यालय स्टाफ की एक बैठक लेकर शिक्षकों की अकादमिक कठिनाईयों का निवारण किया जाना भी आकादमिक सहयोग दृष्टि से उचित होगा।

प्राथमिक शाला कक्षा अवलोकन – प्रपत्र

विद्यालय का नाम..... विद्यालय का डाइस कोड.....

विकासखण्ड ..... जिला.....

कक्षा..... समय .....से .....

शिक्षक का नाम ..... कालखण्ड.....

शिक्षक का यूनिक आई.डी..... दिनांक .....

कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या (अ) दर्ज..... (ब) उपस्थित.....

अवलोकन के बिन्दु	प्रभावी A	सामान्य B	अप्रभावी C	अपने उत्तर का आधार लिखें
01 शिक्षक द्वारा प्रस्तुत की गयी प्रस्तावना				
02 शिक्षक द्वारा सभी विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे जा रहें हैं				
03 शिक्षक द्वारा श्यामपट पर चित्र बनाया जा रहा है				
04 शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों का मिश्रित समूह बनाया गया है				
05 विद्यार्थियों द्वारा वाचन के पश्चात् नवीन शब्दो के अर्थ जानने के लिये शब्दकोश का उपयोग किया जा रहा है				
06 कक्षा के सभी विद्यार्थियों द्वारा सक्रिय सहभागिता की जा रही है।				
07 कक्षा के सभी विद्यार्थियों को समान अवसर दिये जा रहे हैं।				
08 शिक्षक द्वारा विषयवस्तु का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा हैं।				
09 शिक्षक द्वारा विषयवस्तु का पुनर्बलन किया जा रहा है।				
10 शिक्षक द्वारा आवश्यक टी.एल.एम एवं आई.सी.टी का उपयोग किया जा रहा है।				

अवलोकन के बिन्दु	प्रभावी A	सामान्य B	अप्रभावी C	अपने उत्तर का आधार लिखें
11 शिक्षक द्वारा विषय वस्तु से संबंधित सभी सीखने के संकेतों को समावेश पुनर्वलन में किया गया।				
12 विद्यार्थियों ने विषय वस्तु से संबंधित सीखने की संप्राप्तियों को प्राप्त कर लिया है।				
13 शिक्षक द्वारा सतत आकलन किया जा रहा है।				
14 कक्षा में आवश्यकतानुसार विशेष शिक्षण किया जा रहा है।				
15 शिक्षक द्वारा प्रस्तावना एवं अन्य चरणों में विषयवस्तु अनुरूप गतिविधियाँ/प्रयोग/चार्ट /माडल/क्विज अदि का उपयोग किया जा रहा है।				
16 विद्यार्थियों को गृहकार्य दिया जा रहा है।				
17 गृह कार्य की नियमित जाँच की जा रही है।				
18 कक्षा में पर्याप्त संख्या में टी.एल.एम एवं शब्दकोश उपलब्ध है।				
19 शिक्षक द्वारा निर्धारित समय सीमा में निर्धारित विषयवस्तु पूर्ण की गई।				

नोट – अवलोकन प्रपत्र में दिए गये बिन्दुओं के समक्ष प्रभावी, सामान्य या अप्रभावी के कालम में सही का निशान (✓) लागावें तथा साथ के कालम में अपने उत्तर का संक्षेप आधार अंकित करें।

संबंधित शिक्षक के हस्ताक्षर

नाम.....

अवलोकनकर्ता के हस्ताक्षर

नाम.....

पद.....